नई दिल्ली
मंगलवार
22 सितंबर 2026
वर्षः 13, अंकः 19
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

जदयू कोटे के मंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, विधायकों एवं...पेज-05

DELHIN/2014/58158

एशियाई खेलः श्रीलंका के खिलाफ स्वर्ण पदक...पेज-06

एक नजर

एयर मार्शल (रिटायर्ड) जितेंद्र मिश्रा ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में सीईओ की कमान संभाली

अयोध्या। एयर मार्शल (रिटायर्ड) जितेंद्र मिश्रा सोमवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के तौर पर कार्य करने के लिए श्रीराम मंदिर पहुंचे। जहां ट्रस्ट सदस्य मदन मोहन पाण्डेय ने उनका स्वागत किया। ट्रस्ट के नवनियुक्त सीईओ जितेंद्र मिश्र ने आधिकारिक रूप से अपना कार्यभार संभाल लिया। राम मंदिर परिसर, अयोध्या में अब वह नियमित रूप से रहकर मंदिर और मंदिर से जुड़ी व्यवस्थाओं, श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं को देखेंगे। जितेंद्र मिश्रा को सितंबर की शुरुआत में राम मंदिर ट्रस्ट का पहला सीईओ नियुक्त किया गया था। वह आज से अयोध्या में नियमित उपस्थित रहेंगे।

दिल्ली हाई कोर्ट में नियुक्त सात जजों ने ली शपथ

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय में नियुक्त सात जजों ने आज शपथ ली। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय ने इन जजों को शपथ दिलाई। इन नए सात जजों के साथ उच्च न्यायालय के जजों की कुल संख्या 50 हो गई है। शपथ लेने वाले जजों में निवेदिता अनिल शर्मा, निशा सहाय सक्सेना, संजय शर्मा, भरत पराशर, अदिति चौधरी, दिनेश भट्ट और अरुण भारद्वाज शामिल हैं। जजों की 50 की संख्या इसी महीने तक बरकरार रहेगी। उसके बाद इस साल के अंत तक चार जज रिटायर होंगे। दिल्ली उच्च न्यायालय के इतिहास में ऐसा पहली बार है जब जजों की संख्या 50 हुई है। 2014 में दिल्ली उच्च न्यायालय में जजों की कुल स्वीकृत संख्या 60 की गई थी। 2022 में जजों की अधिकतम संख्या 47 थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 18 सितंबर को जारी अधिसूचना में इन जजों की नियुक्ति का आदेश दिया था। निवेदिता अनिल शर्मा और निशा सहाय सक्सेना को उच्च न्यायालय में स्थायी जज नियुक्त किया गया है। संजय शर्मा, भरत पराशर , अदिति चौधरी, दिनेश भट्ट और अरुण भारद्वाज एडिशनल जज नियुक्त किए गए हैं।

कांग्रेस पूरी तरह से 'मुस्लिम लीग माओवादी कांग्रेस' बन चुकी हैः भाजपा

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हिंदू राष्ट्रवाद को लेकर पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के बयान की निंदा करते हुए कहा है कि कांग्रेस अब पूरी तरह से 'मुस्लिम लीग-माओवादी' कांग्रेस बन चुकी है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री अंसारी के बयान का हवाला देते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और कहा कि श्री अंसारी ने खुद ही उजागर कर दिया है कि कांग्रेस अब पूरी तरह से 'मुस्लिम लीग माओवादी कांग्रेस' बन चुकी है। उन्होंने कहा, 'पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने 2019 में लिखी गयी एक किताब का हवाला देते हुए कहा है कि पंडित जवाहरलाल नेहरू साम्यवाद को उतना बड़ा खतरा नहीं मानते थे, जितना हिंदू राष्ट्रवाद को मानते थे। इस बात को उजागर करने के लिए मैं हामिद अंसारी को बधाई देना चाहता हूं।' उन्होंने कहा, 'आज की कांग्रेस पूरी तरह अति-वामपंथ की ओर जा चुकी है। यानी वह सिर के बल साम्यवाद में डूब चुकी है।' इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि श्री गांधी की सोच बिल्कुल पंडित नेहरू की तरह है।

आईआईटी बॉम्बे छात्र आत्महत्या मामले में प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला डीन पद से निलंबित

मुंबई,एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) पवई, बॉम्बे के डीन प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला को कैंपस के हॉस्टल में छात्र साहिल वाकोड़ा की आत्महत्या के मामले को लेकर छात्रों की ओर से जारी विरोध-प्रदर्शनों को देखते हुए सोमवार को निलंबित कर दिया गया। आत्महत्या करने वाले छात्र साहिल वाकोड़ा के परिवार की शिकायत के आधार पर दर्ज एफआईआर में डूला को आरोपित बनाया गया है। मामले की जांच अब मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच कर रही है। मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक छात्र साहिल आईआईटी पवई के एनर्जी साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में बीटेक के दूसरे वर्ष में पढ़ रहा था। शुक्रवार शाम वह अपने हॉस्टल के कमरे में मृत पाया गया। यह मिड-सेमेस्टर परीक्षा से जुड़ी एक घटना के कुछ घंटे बाद हुई थी। इसके बाद मृतक छात्र के पिता ने पवई पुलिस स्टेशन में आईआईटी संस्थान के प्रशासन पर उत्पीड़न और जाति-आधारित भेदभाव के आरोप लगाए गए हैं। इसी आधार पर संस्थान के डीन और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार रात मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंप दी। मामले की जांच असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (डिटेक्शन) के नेतृत्व में की जा रही है।

संस्थान के अनुसार 18 सितंबर को हुई मिड-सेमेस्टर परीक्षा के दौरान साहिल वाकोड़े को रीक्षा हॉल में मोबाइल फोन पर प्रश्नपत्र को चैटजीपीटी पर अपलोड करते हुए पाया गया था। डूला संबंधित कोर्स के इंस्ट्रक्टर थे और परीक्षा के दौरान निगरानी कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने छात्र को बिना अनुमति स्मार्टफोन रखने और उसका इस्तेमाल करने के लिए रोका तथा मामले की सूचना अधिकारियों को दी। इसके बाद छात्र को समझाया गया और उस कार्रवाई न करने का भरोसा गया था। लेकिन इसके बाद छात्र ने हॉस्टल के अपने कमरे में आत्महत्या कर ली थी। इस घटना के विरोध में छात्रों ने आईआईटी पवई कैंपस परिसर में विरोध प्रदर्शन किया था और संस्थान के प्रशासन को डीन के निलंबन सहित 18 मांगों का ज्ञापन दिया था। साथ ही मृतक छात्र के पिता ने पवई पुलिस स्टेशन में संस्थान के डीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाया था। इसी आधार पर संस्थान ने आज डीन को निलंबित कर दिया है। इस मामले की गहन छानबीन की जा रही है।

आईआईटी मुंबई में प्रोफेसर दुल्ला के समर्थन में फैकल्टी फोरम का मार्च

मुंबई। आईआईटी मुंबई के छात्र साहिल वाकोडे की मौत के बाद संस्थान परिसर में तनाव और विरोध प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। वाकोडे के परिजनों ने एक प्रोफेसर और संस्थान प्रशासन पर जातिगत भेदभाव और उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं, संस्थान के फैकल्टी फोरम ने इन आरोपों के बीच प्रोफेसर सूर्यनारायण दुल्ला के समर्थन में बयान जारी किया है। आईआईटी मुंबई फैकल्टी फोरम के अध्यक्ष प्रोफेसर राजकुमार एस. पंत ने कहा कि मीडिया में प्रोफेसर दुल्ला को संस्थान से निलंबित किए जाने संबंधी खबरें सही नहीं हैं। फोरम के मुताबिक, दुल्ला संस्थान के संकाय सदस्य बने हुए हैं। फोरम ने स्पष्ट किया कि वाकोडे की मौत की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रोफेसर दुल्ला को उनके प्रशासनिक दायित्वों से अस्थायी रूप से मुक्त किया गया था। फोरम ने उनके डीन (छात्र कल्याण) के कार्यकाल के दौरान छात्रों के कल्याण के लिए किए गए कार्यों का भी उल्लेख किया। प्रोफेसर दुल्ला के समर्थन में फैकल्टी फोरम ने सोमवार को परिसर स्थित नंदन नीलेकनी मुख्य भवन से एक मार्च निकाला। फोरम ने उनके खिलाफ प्रकाशित मीडिया रिपोर्टों को लेकर भी चिंता जताई और उन्हें कथित तौर पर भ्रामक बताया।

मल्लिकार्जुन खरगे ने एसआईआर प्रक्रिया पर उठाए सवाल, चुनाव आयोग से मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को त्रुटिपूर्ण बताते हुए चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया केवल मतदाता सूची के पुनरीक्षण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसके प्रभाव लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े सवाल खड़े कर रहे हैं। खरगे ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि कांग्रेस शुरू से ही एसआईआर प्रक्रिया को त्रुटिपूर्ण बताती रही है। अब जब यह प्रक्रिया दिल्ली में चल रही है, तो इसके प्रभाव अधिक स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं, पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, केंद्रीय विदेश मंत्री, दिल्ली के उपराज्यपाल, राज्यसभा सांसदों तथा अन्य प्रमुख व्यक्तियों को भी नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत रत्न से सम्मानित एक वैज्ञानिक और पूर्व नौसेना प्रमुख को भी पहले नोटिस दिया जा चुका है। खरगे ने पश्चिम बंगाल का उल्लेख करते हुए दावा किया कि मतदाता सूची से हटाए गए नामों से संबंधित अपीलों पर बड़ी संख्या में लोगों को राहत मिली और उन्हें फिर से सूची में शामिल करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सवाल किया कि यदि बाद में नाम बहाल किए जा रहे हैं तो शुरुआती स्तर पर नाम हटाने का आधार क्या था।

कांग्रेस अध्यक्ष ने चुनाव आयोग की हालिया प्रेस विज्ञप्ति में 'वीआईपी' अथवा 'मार्क्ड इलेक्टर्स' के उल्लेख पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि संविधान सभी मतदाताओं को समान अधिकार देता है और 'एक व्यक्ति, एक वोट, एक मूल्य' लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है। ऐसे में मतदाताओं की किसी विशेष श्रेणी का उल्लेख किए जाने पर आयोग को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं को विसंगतियों के संबंध में नोटिस जारी किए गए हैं। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि नोटिस जारी होने का अर्थ मतदाता का नाम स्वतः हटाया जाना नहीं है और किसी नाम को हटाने से पहले संबंधित मतदाता को सुनवाई का अवसर दिया जाएगा।

ममता बनर्जी की निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई को तैयार सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की याचिका पर सुनवाई को तैयार हो गया है। ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें तृणमूल कांग्रेस के दो विरोधी गुटों के बीच विवाद के चलते पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह फ्रीज कर दिया गया था। ममता बनर्जी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सोमवार को मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष मेंशन करते हुए जल्द सुनवाई की मांग की।

सिब्बल ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया के बीच आयोग ने पार्टी के चुनाव चिन्ह को फ्रीज कर दिया। आयोग हर रोज नई-नई मिसाल कायम कर रहा है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि जब मामला लिस्ट होगा, तब अपनी दलील रखिएगा। हम इसको जल्द लिस्ट करने की कोशिश करेंगे। दूसरे पक्ष को भी अपनी बात रखने का मौका मिलेगा। निर्वाचन आयोग ने 18 सितंबर को दोनों विरोधी गुटों को अलग-अलग नाम और चुनाव चिन्ह आवंटित करने का आदेश दिया था। 17 सितंबर को निर्वाचन आयोग ने विवाद पर अंतिम फैसला होने तक दोनों समूहों को 'ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम और उसके आरक्षित चुनाव चिन्ह का इस्तेमाल करने से रोक दिया था। अपने अंतरिम आदेश में निर्वाचन आयोग ने ममता बनर्जी और अरूप रॉय के नेतृत्व वाले दोनों गुटों के नेताओं का पक्ष सुनने के बाद कहा कि इस मामले में चुनाव चिन्ह के आरक्षण और आवंटन के प्रावधानों के तहत आयोग द्वारा ठोस निर्णय लिए जाने की आवश्यकता है।

फर्जी सिम और आईएमईआई से छेड़छाड़ पर तीन साल तक की जेल

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने फर्जी तरीके से सिम कार्ड जारी करने, दूरसंचार पहचानकर्ताओं के दुरुपयोग और मोबाइल फोन के आईएमईआई नंबर से छेड़छाड़ को गंभीर अपराध बताते हुए नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

विभाग ने सोमवार को कहा कि ऐसे मामलों में तीन साल तक की जेल और 50 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। दूरसंचार मंत्रालय के अनुसार, छत्तीसगढ़ में एक प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) एजेंट द्वारा लोगों के पहचान दस्तावेजों का दुरुपयोग कर उनकी जानकारी या सहमति के बिना 25 मोबाइल कनेक्शन सक्रिय किए जाने का मामला सामने आया। जांच के बाद संबंधित पीओएस एजेंट को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया। संदिग्ध मोबाइल कनेक्शनों का सत्यापन कराया गया और सत्यापन में असफल पाए गए नंबरों को बंद कर दिया गया।

एसईसीआई स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य को प्राप्त करने में केंद्रीय भूमिका निभाती रहेगीः श्रीपाद येसो नाइक

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपाद येसो नाइक ने सोमवार को कहा कि सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसईसीआई) स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य को प्राप्त करने में केंद्रीय भूमिका निभाती रहेगी। श्रीपाद येसो नाइक ने नई दिल्ली में एसईसीआई के 15वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित हितधारकों की बैठक में यह बात कही। नाइक ने बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कहा कि सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड का 15 वर्ष का सफर वैश्विक स्तर पर अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत के बढ़ते नेतृत्व और एक स्थायी ऊर्जा भविष्य के प्रति देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नाइक ने कहा कि एसईसीआई ने देश के स्वच्छ ऊर्जा विजन को लगातार साकार किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि निगम इसकी प्राप्ति की दिशा में केंद्रीय भूमिका भी निभाता रहेगा।

कार्यक्रम में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ सीईए के अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद, मंत्रालय के अपर सचिव मयंक तिवारी और आईएनओएक्सजीएफएल समूह के अध्यक्ष विवेक जैन भी उपस्थित थे एसईसीआई ने अपने 15 वर्षों की सेवा के दौरान राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण योगदान किया है। इस अवधि में कंपनी ने तृतीय-पक्ष डेवलपर्स की सहायता से 41 गीगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता स्थापित की है। इसके अलावा कंपनी ने विभिन्न डिस्कॉम और उपभोक्ताओं के साथ 67 गीगावाट से अधिक बिजली बिक्री समझौते भी किए हैं और लगभग 3.6 लाख करोड़ रुपये का बाजार निवेश सक्षम किया है। इसके अलावा कंपनी अपने स्वयं के प्रोजेक्ट पोर्टफोलियो का भी तेजी से विस्तार कर रही है और ऊर्जा भंडारण, हरित हाइड्रोजन और संबंधित क्षेत्रों को बढ़ावा देने में भी सक्रिय है। 20 सितंबर 2011 को निगमित हुई एसईसीआई एक नवरत्न सीपीएसई है, जो नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के तहत आती है।

दिल्ली में एसआईआर के तहत 33.1 लाख मतदाताओं को नोटिस, वेबसाइट पर सूची जारी

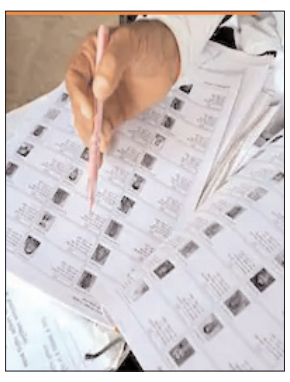

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत लगभग 33.1 लाख मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं और उनकी मतदान केंद्र-वार सूची कारणों के साथ दिल्ली मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है।

सीईओ अशोक कुमार ने सोमवार को विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के दावे और आपत्ति की अवधि और अन्य संबंधित मामलों के बारे में राजनीतिक दलों के साथ बैठक की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आयोग एक पारदर्शी, भागीदारीपूर्ण और समावेशी संशोधन प्रक्रिया के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराता है। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 'कोई भी पात्र नागरिक छूट न जाए और किसी भी अपात्र व्यक्ति को मतदाता सूची में शामिल न किया जाए', यह सुनिश्चित करता है। सीईओ ने बताया कि एसआईआर के दौरान जिन मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं, उनकी सूची कारणों के साथ वेबसाइट जारी कर दी गई है। नोटिस जारी होने का मतलब यह नहीं है कि मतदात का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया जाएगा। मतदाता संबंधित ईआरओ/एईआरओ को जवाब और जरूरी डॉक्यूमेंट्स जमा कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना उचित सुनवाई के बिना कोई नाम नहीं हटाया जा सकता है। नोटिस और दावों/आपत्तियों का निपटारा 29 अक्टूबर तक कर दिया जाएगा, और अंतिम मतदाता सूची 4 नवंबर को पब्लिश की जाएगी। सीईओ ने बताया कि बेघर लोगों, ट्रांसजेंडर लोगों और सेक्स वर्कर्स के लिए भी स्पेशल कैंप लगाए जा रहे हैं। जो योग्य लोग ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में शामिल नहीं हैं, वे 30 सितंबर तक जरूरी डॉक्यूमेंट्स के साथ फॉर्म 6 जमा कर सकते हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने हाई-स्पीड राष्ट्रीय राजमार्गों पर सर्विस रोड के लिए समान डिजाइन मानकों के नए दिशानिर्देश जारी किए

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने एक्सप्रेसवे को छोड़कर हाई-स्पीड एक्सेस कंट्रोल राष्ट्रीय राजमार्गों की योजना और डिजाइन के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इनका उद्देश्य ऐसे राजमार्गों के लिए एक समान तकनीकी मानक तय करना, सड़क सुरक्षा को मजबूत करना और यातायात संचालन को अधिक सुगम बनाना है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, ये दिशानिर्देश सभी आगामी चार और छह लेन के ग्रीनफील्ड तथा ब्राउनफील्ड हाई-स्पीड एक्सेस कंट्रोल राष्ट्रीय राजमार्गों पर लागू होंगे। इनके जरिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने की प्रक्रिया में एकरूपता लाई जाएगी और डिजाइन मानकों में मौजूद विभिन्नताओं को समाप्त किया जाएगा।

मंत्रालय ने बताया कि ये दिशानिर्देश 'विकसित भारत-2047' के तहत 50,000 किलोमीटर एक्सेस कंट्रोल हाई-स्पीड कॉरिडोर विकसित करने की दीर्घकालिक योजना के अनुरूप तैयार किए गए हैं। वर्तमान में ऐसे राजमार्गों की योजना और डिजाइन के लिए अलग से कोई एकीकृत मानक उपलब्ध नहीं था। नए दिशानिर्देशों में सड़क सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। हाई-स्पीड कॉरिडोर पर प्रवेश और निकास बिंदुओं के पहले स्पष्ट और अग्रिम संकेतक लगाने का प्रावधान किया गया है, ताकि वाहन चालक समय रहते दिशा बदल सकें और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो। यातायात घनत्व के आधार पर सड़क की चौड़ाई और लेन संरचना भी निर्धारित की गई है। प्रतिदिन 15 हजार वाहनों तक के यातायात वाले चार लेन राजमार्गों के लिए 60 मीटर चौड़ाई निर्धारित की गई है। 15 से 25 हजार वाहनों वाले मार्गों के लिए 70 मीटर चौड़ाई तथा चार लेन सड़क और छह लेन संरचना का प्रावधान होगा। वहीं 25 से 40 हजार वाहनों वाले मार्गों पर छह लेन सड़क और छह लेन संरचना के साथ 70 मीटर चौड़ाई रखी जाएगी।

दिशानिर्देशों के अनुसार एक्सप्रेसवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग और अन्य प्रमुख मार्गों के साथ इंटरचेंज तथा रैंप विकसित किए जाएंगे। साथ ही हवाई अड्डों, बंदरगाहों, मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्कों, औद्योगिक क्षेत्रों और प्रमुख पर्यटन स्थलों तक बेहतर संपर्क सुनिश्चित किया जाएगा। एनएचएआई ने अतिक्रमण, अनधिकृत प्रवेश और आवारा पशुओं की आवाजाही रोकने के लिए हाई-स्पीड कॉरिडोर के बाहरी हिस्से में एक मीटर ऊंची सीमा दीवार बनाने का भी प्रावधान किया है।

दिल्ली सरकार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सम्मान में 'आंगन का मिलन' कार्यक्रम आयोजित करेगी : मुख्यमंत्री

सैफुल्लाह सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय को बढ़ाने और उनके योगदान को सम्मान देने के लिए 'आंगन का मिलन' नामक विशेष कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर बच्चों, महिलाओं और परिवारों तक सरकार की सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनके समर्पण और योगदान को सम्मान देना सरकार की जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सम्मान के लिए दिल्ली की सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में कार्यक्रम 23 सितंबर से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, लाभार्थियों, बच्चों, महिलाओं, अभिभावकों और स्थानीय समुदाय की भागीदारी होगी। इन कार्यक्रमों के लिए करीब 25 हजार निमंत्रण पत्र भेजे जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इस पहल से जोड़ा जा सके। हर विधानसभा क्षेत्र में लगभग 500 लोगों की भागीदारी प्रस्तावित है। इनमें विधायक और अन्य जनप्रतिनिधि, लाभार्थी, बच्चे, गर्भवती महिलाएं, स्तनपान कराने वाली महिलाएं, माता-पिता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायक, क्रेच कार्यकर्ता एवं सहायक, समुदाय के प्रतिनिधि तथा अन्य संबंधित हितधारक शामिल होंगे। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को पोषण शपथ भी दिलाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सम्मान के लिए 2,500 रुपये के सामान वाली विशेष सम्मान किट भी तैयार की गई है। इस किट में बैग, यूनिफॉर्म, इंसुलेटेड पानी की बोतल, कैप, प्राथमिक उपचार पाउच और छाता शामिल हैं। विधानसभा स्तर के कार्यक्रमों के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा यह किट आंगनबाड़ी से जुड़े अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को प्रदान की जाएगी।

यह सम्मान किट आंगनबाड़ी सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने और समुदाय से जुड़ाव मजबूत करने में कार्यकर्ताओं के योगदान के प्रति सम्मान और सराहना का प्रतीक होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे इन कार्यक्रमों को 9वें राष्ट्रीय पोषण माह से भी जोड़ा गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित 'सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण' योजना के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक राष्ट्रीय पोषण माह मना रहा है। इस वर्ष इसकी थीम 'हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' है। इसका उद्देश्य पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना, समुदाय की भागीदारी को मजबूत करना और आंगनबाड़ी सेवाओं के प्रति लोगों में जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

'सिंदूर से शौर्य तक' कार्यक्रम 26 सितंबर को दिल्ली में, वीर शहीदों को दी जाएगी श्रद्धांजलि

शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। देशभक्ति, शौर्य, बलिदान और नारी शक्ति को समर्पित विशेष संगीतमय कार्यक्रम 'सिंदूर से शौर्य तक' का आयोजन 26 सितंबर को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब स्थित मावलंकर सभागार में किया जाएगा। मुंबई की आयोजन संस्था बॉली बोनांज़ा और राष्ट्रीय सैनिक संस्था के सहयोग से आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को 'नारी उपलब्धि सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम का आयोजन रफी मार्ग, कनॉट प्लेस स्थित मावलंकर सभागार में किया जाएगा। कार्यक्रम का निर्देशन शशिकला कौशिक करेंगी। बॉली बोनांज़ा की स्थापना प्रियंका चौहान और पंकज सैनी ने की है। आयोजकों के अनुसार, 'सिंदूर से शौर्य तक' का उद्देश्य मातृभूमि की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों को नमन करना और उनकी वीरगाथाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। कार्यक्रम के माध्यम से शहीदों के परिवारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ युवाओं को वीर जवानों के साहस, त्याग, समर्पण और राष्ट्रप्रेम से परिचित कराने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण 'नारी उपलब्धि सम्मान' होगा। इसके तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा, उद्यमिता, कला, संस्कृति और खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। आयोजक प्रियंका चौहान ने कहा कि 'सिंदूर से शौर्य तक' केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि वीरता, बलिदान और नारी शक्ति को समर्पित पहल है। देश के वीर जवान सीमाओं पर राष्ट्र की रक्षा करते हैं, वहीं महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा, संघर्ष और नेतृत्व के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रही हैं। दोनों प्रेरणादायी शक्तियों को एक मंच पर सम्मानित करना आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है। वहीं आयोजक पंकज सैनी ने कहा कि संगीत, कला और विशेष प्रस्तुतियों के माध्यम से देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ समाज और देश का गौरव बढ़ाने वाली महिलाओं को भी सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुंबई से आने वाले कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। अभिनेत्री दीपशिखा नागपाल, हास्य कलाकार वीआईपी पवार और गायक अरविंदर सिंह विशेष प्रस्तुतियां देंगे। देशभक्ति संगीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम और मनोरंजन प्रस्तुतियां आयोजन का हिस्सा होंगी।

दिल्ली सरकार अगले महीने 150 नई इलेक्ट्रिक बसें शुरू करेगी

नई दिल्ली। दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि सरकार अगले महीने 150 नई इलेक्ट्रिक बसें शुरू करेगी। उन्होंने सोमवार को दिल्ली परिवहन विभाग के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि हमारी सरकार बस डिपो और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को एक साथ मिलकर विकसित कर रही है और हर साइट की बारीकी से निगरानी की जा रही है, ताकि नई इलेक्ट्रिक बसों को बिना किसी देरी के सुचारू रूप से राजधानी दिल्ली की सड़कों पर उतारा जा सके।

हमारा मकसद एक साफ-सुथरी और ग्रीन-क्लीन दिल्ली का निर्माण करना है। इसके लिए पर्यावरण का विशेष ध्यान रखते हुए जरूरत के हिसाब से इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राजधानी दिल्ली में 40 बस डिपो से लगभग 5088 इलेक्ट्रिक बसें चल रही है और फिलहाल तीन और नए बस डिपो में इलेक्ट्रिसिटी चार्जर लगाने का काम तेजी से काम चल रहा है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के कुशल नेतृत्व में नेशनल इलेक्ट्रिक बस प्रोग्राम (एनईबीपी) के तहत 768 बसों की चार्जिंग क्षमता वाले पांच बस डिपो भी तैयार किए जा रहे हैं। राजधानी दिल्ली के 16 बस डिपो में पीएम ई ड्राइव-1 के तहत 2800 इलेक्ट्रिक बसों की चार्जिंग की क्षमता वाले इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जायेगा हैं, जबकि पीएम ई-ड्राइव-2के तहत 2710 बसों की चार्जिंग क्षमता वाले 16 और बस डिपो का भी डेवलपमेंट शामिल हैं।

डूसू चुनाव में जीत के बाद सत्य निकेतन पहुंचे नवनिर्वाचित पदाधिकारी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव में जीत दर्ज करने के तुरंत बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के नेतृत्व में नवनिर्वाचित डूसू पदाधिकारियों ने सत्य निकेतन स्थित 'सत्य स्क्वायर' का दौरा किया और वहां श्रद्धांजलि अर्पित की। अभाविप के अनुसार इस दौरान छात्रसंघ नेतृत्व ने संकल्प लिया कि नया छात्रसंघ पूरे शैक्षणिक सत्र में सत्य निकेतन और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करेगा, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

अभाविप दिल्ली के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि यह जीत दिल्ली विश्वविद्यालय के आम छात्रों के विश्वास और अभाविप के सतत संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने कहा, 'छात्रसंघ चुनाव केवल पदों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के प्रति हमारी जवाबदेही की शुरुआत है। सत्य निकेतन साउथ कैंपस के छात्रों की धड़कन है, लेकिन यहां छात्र लगातार आवास और बुनियादी सुविधाओं की समस्याओं से जूझते हैं। अभाविप का प्रत्येक कार्यकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि दिल्ली में पढ़ने वाले किसी भी छात्र के साथ अन्याय न हो। हम प्रशासन से लेकर सरकार तक हर मंच पर छात्रों की आवाज मजबूती से उठाएंगे। नवनिर्वाचित डूसू अध्यक्ष यश डबास ने कहा कि सत्य स्क्वायर पर आकर उन्होंने केवल औपचारिक दौरा नहीं किया, बल्कि छात्रों के समक्ष उनके हर सुख-दुख में साथ खड़े रहने की प्रतिज्ञा ली है। उन्होंने कहा कि सत्य निकेतन में रहने वाले छात्रों से मनमाना किराया वसूलना और उन्हें बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखना एक गंभीर मुद्दा है। डूसू इस पूरे वर्ष सक्रिय रहकर 'रूम रेंट रेगुलेशन एक्ट' के प्रभावी क्रियान्वयन, सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और छात्रों के कानूनी अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाएगा। हमारा लक्ष्य कैंपस से लेकर हॉस्टल और निजी आवासों तक प्रत्येक छात्र को भयमुक्त व न्यायपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना है।

एमसीडी इंदौर वेस्ट मैनेजमेंट मॉडल को पायलट आधार पर लागू करने पर करेगी मंथन

सद्भावना टुडे, संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के आयुक्त संजीव खिरवार ने पश्चिमी जोन में पायलट आधार पर इंदौर वेस्ट मैनेजमेंट मॉडल लागू करने के प्रस्ताव पर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श किया। बैठक में पायलट प्रोजेक्ट के अनुभव के आधार पर इसे दक्षिणी और मध्य जोन में भी लागू करने की संभावनाओं पर चर्चा की गई। दक्षिणी और मध्य जोन में नए कंसेशनियर्स द्वारा कचरा संग्रहण एवं परिवहन का कार्य संभाले जाने के बाद बैठक में इंदौर मॉडल की प्रमुख व्यवस्थाओं और अनुभवों का अध्ययन किया गया। अधिकारियों ने दिल्ली की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप इस मॉडल को अपनाकर स्रोत पर कचरा पृथक्करण, अपशिष्ट प्रबंधन, क्षेत्रीय स्तर पर जवाबदेही और नागरिक सहभागिता को मजबूत करने पर विचार किया। बैठक में दिल्ली में वायु प्रदूषण की रोकथाम के उपायों की भी समीक्षा की गई। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को चिन्हित स्थानों पर मैकेनिकल रोड स्वीपर्स, वाटर स्प्रिंकलर्स और एंटी-स्मॉग गन्स की तैनाती को मजबूत करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही गड्ढों की मरम्मत, सड़क पक्कीकरण और सड़कों के हरितीकरण सहित सड़क रखरखाव कार्यों में तेजी लाने को कहा गया। आयुक्त ने खुले में कचरा एवं बायोमास जलाने की घटनाओं पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। इसके लिए एमसीडी द्वारा निगरानी टीमें गठित की जाएंगी, जो संवेदनशील स्थानों पर नियमित निगरानी करेंगी और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करेंगी। आयुक्त ने सभी जोनल उपायुक्तों को 2 अक्टूबर 2026 को महात्मा गांधी जी की स्मृति में स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर दिल्लीभर में विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए। इनमें सार्वजनिक स्थानों और वृद्धाश्रमों में स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम, जनभागीदारी के साथ विशेष परिषद बैठकें तथा स्वच्छ किए गए गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट्स (जीवीपी) और कम्युनिटी टॉयलेट यूनिट्स (सीटीयू) पर 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत पेड़, प्लांटर्स और झाड़ियां लगाने की गतिविधियां शामिल हैं। इसके अलावा एसडब्ल्यूएम नियम, 2026 और चार-तरफा कचरा पृथक्करण के संबंध में जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार तथा स्वच्छता शपथ दिलाने के कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। आयुक्त ने दिल्ली में स्वच्छता, बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण को मजबूत करने के लिए एमसीडी अधिकारियों, कंसेशनियर्स और नागरिकों के समन्वित एवं निरंतर प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को सभी निर्देशों का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और प्रगति की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए।

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) का विशेष प्रवर्तन अभियान: 44 ध्वस्तीकरण कार्रवाई, 11 संपत्तियां सील

सद्भावना टुडे, संवाददाता

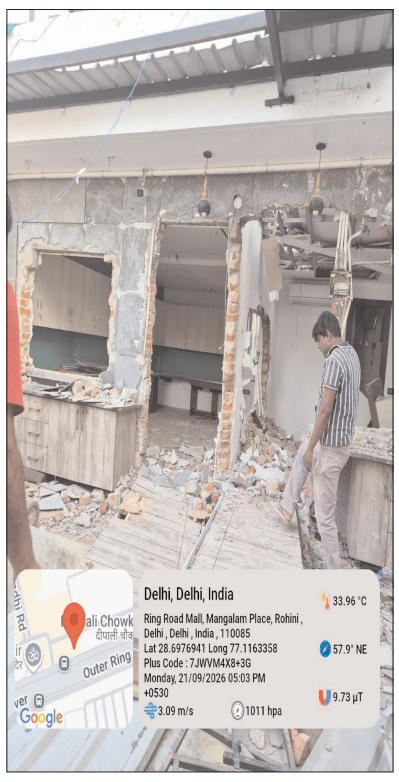

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने खतरनाक भवनों, अनधिकृत निर्माण तथा दिल्ली के मास्टर प्लान (एमपीडी) और भवन उपविधियों के उल्लंघन के खिलाफ शहरभर में विशेष प्रवर्तन अभियान तेज कर दिया है। निगम के सभी 12 जोन में जनसुरक्षा और भवन निर्माण संबंधी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सख्त कार्रवाई की जा रही है। विशेष अभियान के तहत सोमवार को एमसीडी के सभी 12 जोन में 44 ध्वस्तीकरण कार्रवाई की गई। इसके अलावा 11 संपत्तियों को सील किया गया तथा भवन संबंधी मानदंडों के उल्लंघन के मामले में 5 ध्वस्तीकरण आदेश जारी किए गए।

निगम अधिकारियों के अनुसार, एमसीडी अपने अधिकार क्षेत्र में लगातार निगरानी कर रही है और चिन्हित अनधिकृत निर्माण तथा नियमों के उल्लंघन के विरुद्ध निर्धारित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है। इससे एक दिन पहले भी एमसीडी ने व्यापक प्रवर्तन अभियान चलाया था। उस दौरान एमपीडी एवं भवन उपविधियों के उल्लंघन के कारण 4 संपत्तियों का ध्वस्तीकरण किया गया और 3 संपत्तियों को सील किया गया।

इन क्षेत्रों में हुई प्रमुख कार्रवाई

सोमवार को चलाए गए अभियान के दौरान गांधी नगर, मंडावली फजलपुर, न्यू अशोक नगर, गणेश नगर-द्वितीय एक्सटेंशन और ईस्ट विनोद नगर में प्रमुख ध्वस्तीकरण कार्रवाई की गई। इसके अलावा बलवीर नगर, न्यू मुस्तफाबाद, अशोक विहार, सावन पार्क एक्सटेंशन, नारायणा, न्यू मोती नगर, इंद्रपुरी, शालीमार बाग और तरुण एन्क्लेव समेत दिल्ली के विभिन्न इलाकों में भी प्रवर्तन कार्रवाई की गई।

एमसीडी ने स्पष्ट किया है कि उसके अधिकार क्षेत्र में अनधिकृत निर्माण और भवन मानदंडों का उल्लंघन स्वीकार नहीं किया जाएगा। निगम ने क्षेत्रीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखें और एमपीडी, भवन उपविधियों तथा अन्य संबंधित नियमों के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। निगम के अनुसार, अनधिकृत निर्माण, खतरनाक भवनों और जनसुरक्षा के लिए जोखिम पैदा करने वाले अन्य उल्लंघनों के खिलाफ यह विशेष प्रवर्तन अभियान आगे भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा।

दिल्ली के लोकतंत्र सेनानी 11 अक्टूबर को अमित शाह के आवास तक करेंगे शांतिपूर्ण पैदल मार्च

नई दिल्ली। दिल्ली के लोकतंत्र सेनानियों और दिवंगत सेनानियों के परिवारों को मानदेय, पेंशन और सम्मान देने की मांग को लेकर लोकतंत्र सेनानी संघ ने 11 अक्टूबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के सरकारी आवास तक शांतिपूर्ण पैदल मार्च करने का ऐलान किया है। संघ ने दिल्ली में लोकतंत्र सेनानियों के लिए सम्मान निधि की व्यवस्था करने के साथ आपातकाल के दौरान हुई घटनाओं से जुड़ी शाह आयोग की रिपोर्ट दिल्ली विधानसभा के पटल पर रखने और 'संविधान हत्या' के लिए जिम्मेदारी तय करने के लिए उच्चस्तरीय आयोग गठित करने की मांग की है। संघ ने पहले भी दिल्ली में लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान और आपातकाल के इतिहास को पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग उठाई है।

कनॉट प्लेस स्थित होटल रेडिसन ब्लू मरीना में सोमवार को पत्रकार वार्ता में लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक ओपी बब्बर, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष राजन कुमार ढींगरा और प्रदेश महामंत्री राज कुमार सपड़ा ने मार्च की घोषणा की। संघ के अनुसार 11 अक्टूबर को लोकनायक जयप्रकाश नारायण और नानाजी देशमुख की संयुक्त जयंती के अवसर पर यह मार्च आयोजित किया जाएगा। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि इसमें करीब 2,000 लोकतंत्र सेनानी और उनके परिवार के सदस्य शामिल होंगे। ओपी बब्बर ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों ने आपातकाल के दौरान लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए जेलों में यातनाएं सहीं। कई राज्यों में सेनानियों को सम्मान और पेंशन मिल रही है, जबकि दिल्ली में ऐसी व्यवस्था नहीं है। सरकार के प्रति उनका कोई विरोध नहीं है, बल्कि वे अपनी मांगों को प्रभावी ढंग से सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं। बब्बर ने आपातकाल के दौरान अपने जेल अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि सेनानियों पर लाठीचार्ज किया गया और उन्हें गंभीर यातनाएं दी गईं। कई लोगों को समुचित चिकित्सा और दवाएं नहीं मिल सकीं।

सीईओ बैठक में दिल्ली कांग्रेस ने मतदाता सूची प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं पर जताई चिंता

सद्भावना टुडे, संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव के निर्देश पर दिल्ली कांग्रेस की ओर से बूथ मैनेजमेंट कमेटी के चेयरमैन राजेश गर्ग तथा लीगल डिपार्टमेंट के चेयरमैन एडवोकेट सुनील कुमार ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय द्वारा एसआईआर के संबंध में बुलाई गई बैठक में भाग लिया। बैठक में कांग्रेस नेताओं ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया, नोटिस वितरण तथा दावे-आपत्तियों को लेकर विभिन्न मुद्दे उठाए।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि कांग्रेस ने ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होने से पहले ही चुनाव आयोग से मांग की थी कि ड्राफ्ट सूची के साथ अनमैप्ड मतदाताओं तथा तार्किक विसंगतियों और अनियमितताओं वाले मतदाताओं का डेटा भी सार्वजनिक किया जाए। उनके अनुसार, चुनाव आयोग ने शुरुआत में इस मांग को स्वीकार नहीं किया, लेकिन पुनः अनुरोध किए जाने के बाद अब यह डेटा जारी किया गया है। यादव ने कहा कि नोटिस का जवाब देने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 रखी गई है, जो बहुत कम समय है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में इतनी कम अवधि में सभी पात्र मतदाताओं को जवाब देने का अवसर मिलना कठिन है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव आयोग अभी तक आधे से अधिक नोटिस वितरित नहीं कर पाया है। जहां नोटिस पहुंच रहे हैं, वहां जवाब देने के लिए लंबी कतारें लग रही हैं और कई बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को भी नोटिस के जवाब लेने की प्रक्रिया को लेकर पर्याप्त स्पष्टता नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में 30 सितंबर तक सभी दावे और आपत्तियां प्राप्त करना व्यावहारिक रूप से कठिन है। देवेंद्र यादव ने लोगों की समस्याओं और बीएलओ पर बढ़ते कार्यभार का हवाला देते हुए मांग की कि क्लेम और ऑब्जेक्शन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 नवंबर 2026 की जाए।

पुराने मतदाताओं से फार्म-6 भरवाने पर सवाल

बूथ मैनेजमेंट कमेटी के चेयरमैन राजेश गर्ग ने कहा कि कांग्रेस के अनुसार बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता हैं, जिनके नाम पहले मतदाता सूची में दर्ज थे, लेकिन अब ड्राफ्ट सूची में दिखाई नहीं दे रहे हैं और उन्हें फार्म-6 भरने के लिए कहा जा रहा है। गर्ग ने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया के कारण ऐसे मतदाताओं पर पहली बार मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन करने संबंधी घोषणा करने का दबाव पड़ रहा है। उन्होंने इसे अनुचित बताते हुए कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी।

एन्यूमरेशन फार्म जमा करने वालों के नाम जोड़ने की मांग

लीगल डिपार्टमेंट के चेयरमैन एडवोकेट सुनील कुमार ने कहा कि ड्राफ्ट सूची में बड़ी संख्या में ऐसे लोगों के नाम शामिल नहीं हैं, जिन्होंने एन्यूमरेशन फार्म जमा किया था और जिन्हें बीएलओ की ओर से विधिवत प्राप्ति रसीद भी दी गई थी। उन्होंने कहा कि यदि संबंधित मतदाता उसी पते पर निवास कर रहे हैं और उन्होंने निर्धारित प्रक्रिया के तहत फार्म जमा किया है, तो उनके नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल किए जाने चाहिए। कांग्रेस ने ऐसे सभी पात्र मतदाताओं के नाम तत्काल जोड़ने की मांग की। सुनील कुमार ने इसके साथ ही बेघर नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल करने की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण की पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लैपटॉप चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, 11 लैपटॉप बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), दिल्ली मंडल ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लैपटॉप चोरी के मामले में एक संदिग्ध आरोपी को चोरी के लैपटॉप सहित गिरफ्तार किया। आरोपी की निशानदेही पर निर्माण विहार स्थित एक दुकान से 11 लैपटॉप बरामद किए गए हैं। इनमें से तीन लैपटॉप संबंधित ई-एफआईआर में दर्ज चोरी की संपत्ति से मेल खाते पाए गए। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने सोमवार को बताया कि ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से लैपटॉप बैग चोरी होने संबंधी कई शिकायतें रेल मदद एवं 139 हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त हुई थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए आरपीएफ, दिल्ली मंडल ने संदिग्धों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए दो विशेष टीमों का गठन किया।

उन्होंने बताया कि टीमों ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का लगातार और गहन विश्लेषण किया। इस दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति की पहचान की गई और उसकी गतिविधियों पर निगरानी रखी गई। 20 सितंबर को आरपीएफ की टीम ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के फुट ओवर ब्रिज पर उक्त संदिग्ध को एक लैपटॉप बैग के साथ पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शादाब पुत्र शमशाद (लगभग 25 वर्ष), निवासी ग्राम/पोस्ट/थाना मुंडाली, जनपद मेरठ, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। आरोपी को बरामद संपत्ति के साथ आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के सुपुर्द कर दिया गया। मामले में ई-एफआईआर संख्या 80079767/26 के तहत बीएनएस की धाराओं 303(2)/317/2 में कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने कथित तौर पर लैपटॉप चोरी की करीब 12 से 15 घटनाओं में संलिप्तता की जानकारी दी। उसने बताया कि चोरी किए गए लैपटॉप निर्माण विहार स्थित सिल्वर इंफेक्ट शॉप में बेचे गए थे। इसके बाद जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने दुकान पर कार्रवाई करते हुए कुल 11 लैपटॉप बरामद किए। बरामद लैपटॉप के सीरियल नंबर और उपलब्ध संपत्ति विवरण के सत्यापन में तीन लैपटॉप संबंधित ई-एफआईआर में दर्ज संपत्ति से मेल खाते पाए गए।

एक नजर

नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें युवाः राव इंद्रजीत सिंह

गुरुग्राम। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने सोमवार को गांव डाबोधा में बलिदानी सूबेदार नरेश कुमार की प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा और समृद्धि में सैनिकों तथा उनके परिवारों का योगदान सर्वोपरि है। हमारे वीर जवान अपने प्राणों की परवाह किए बिना देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं, जिसके कारण देशवासी सुरक्षित वातावरण में जीवन व्यतीत कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बलिदानी सूबेदार नरेश कुमार की शहादत क्षेत्र ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने शहीद के परिजनों, गांव की सरदारी, पूर्व एवं वर्तमान सरपंचों, जनप्रतिनिधियों तथा दूर-दराज से पहुंचे पूर्व सैनिकों और नागरिकों का भी आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में पटौदी की विधायक बिमला चौधरी तथा बावल विधायक डॉ कृष्ण कुमार भी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री ने युवाओं का आह्वान किया कि वे नशे से पूरी तरह दूर रहें और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाकर देश सेवा के लिए स्वयं को तैयार करें। उन्होंने कहा कि आज के युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं और उन्हें अपनी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगानी चाहिए। युवाओं को सेना में भर्ती होकर राष्ट्र की सुरक्षा में योगदान देने के साथ-साथ खेलों के क्षेत्र में भी आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। यदि युवा नियमित व्यायाम, खेल और अनुशासित जीवन को अपनाएंगे तो वे शारीरिक एवं मानसिक रूप से मजबूत बनेंगे और भविष्य में सेना, खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में देश की सेवा करने में सक्षम होंगे।

नौ गंभीर केसों में वांछित अपराधी के अवैध मकान पर चला बुलडोजर

गुरुग्राम। अपराध के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत गुरुग्राम पुलिस ने एक अपराधी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसकी प्रॉपर्टी पर बुलडोजर चलाया। क्राइम ब्रांच ने धनवापुर गांव में एक आदतन अपराधी द्वारा अवैध रूप से बनाए गए मकान को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने सोमवार को बताया कि पुख्ता खुफिया सूचना के आधार पर अवैध निर्माण की पहचान की गई थी। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान अभिषेक निवासी गांव धनवापुर जिला गुरुग्राम के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ हत्या, मारपीट, जान से मारने की धमकी देने सहित विभिन्न गंभीर आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के नौ केस दर्ज हैं। जांच में सामने आया कि आरोपी ने धनवापुर में 50 वर्ग गज में अवैध रूप से मकान का निर्माण कर रखा था। यह कार्रवाई अपराध शाखा सेक्टर-17 गुरुग्राम द्वारा जिला प्रशासन के साथ मिलकर की गई। गुरुग्राम पुलिस की कड़ी निगरानी में अवैध संरचना को हटाया गया तथा कार्रवाई के दौरान कानून व्यवस्था पूरी तरह बनाए रखी गई। पुलिस ने बताया कि गुरुग्राम क्राइम ब्रांच द्वारा लगातार आदतन अपराधियों की संपत्ति की समीक्षा की जा रही है। पुलिस सार्वजनिक भूमि की सुरक्षा और अपराधियों के अवैध आर्थिक तंत्र को समाप्त करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराध से अर्जित संपत्तियों तथा अवैध कब्जों के विरुद्ध ऐसे खुफिया-आधारित सख्त अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे, ताकि गुरुग्राम को अपराध मुक्त एवं सुरक्षित बनाया जा सके।

कैब में टक्कर मारने वाला नशे में धुत थार चालक गिरफ्तार

गुरुग्राम। थाना खेड़की दौला पुलिस ने कैब में टक्कर मारने के मामले में आरोपी थार चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने सोमवार को बताया कि पुलिस ने वारदात में प्रयोग की गई थार गाड़ी भी बरामद कर ली है। बता दें कि 18 सितंबर को एक टैक्सी चालक ने शिकायत दी थी कि वह सती चौक के पास अपनी कैब चला रहा था, तभी एक थार चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उसकी गाड़ी में टक्कर मार दी। शिकायत के आधार पर थाना खेड़की दौला में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। इस मामले में पुलिस टीम ने 20 सितंबर को आरोपी को गुरुग्राम से ही गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान मनजीत रावत (उम्र 25 वर्ष) निवासी भरथल गांव दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अपने गांव के साथियों के साथ थार में सवार होकर सोहना जा रहा था। रास्ते में सभी ने शराब का सेवन किया। शराब पीने के बाद गाड़ी चलाने को लेकर उसका साथियों से झगड़ा और मारपीट हो गई। इसके बाद उसके दोस्त कैब बुक करके जाने लगे तो नशे में धुत आरोपी ने गुस्से में आकर उस कैब में टक्कर मार दी। पुलिस ने थार गाड़ी को कब्जे में ले लिया है।

फरीदाबाद : ढाई सौ करोड़ की परियोजना से लोगों को मिलेगा यमुना का स्वच्छ पेयजल- कृष्णपाल गुर्जर

फरीदाबाद,एजेंसी। केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा है कि केंद्र और प्रदेश सरकार के निरंतर प्रयासों से फरीदाबाद में बुनियादी सुविधाओं एवं कनेक्टिविटी के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का सीधा लाभ आमजन को मिल रहा है और सरकार शहर के प्रत्येक क्षेत्र में आवश्यकतानुसार विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ा रही है। गुर्जर रविवार देर शाम वार्ड नंबर-6 स्थित जलघर में करीब 21 करोड़ रुपये तथा वार्ड नंबर-11 में करीब 22 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ करने के उपरांत उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे।

इन विकास परियोजनाओं में बारात घर का निर्माण, सडक़ निर्माण, आरसीसी नालों का निर्माण, सीवर लाइन बिछाने, इंटरलॉकिंग टाइल लगाने सहित क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने से जुड़े विभिन्न कार्य शामिल हैं। इस अवसर पर एनआईटी विधायक सतीश फागना मौजूद रहे। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि फरीदाबाद की कनेक्टिविटी को केंद्र और प्रदेश सरकार ने मजबूत बनाने का काम किया है। पहले फरीदाबाद की पहचान मुख्य रूप से एक राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ी थी, लेकिन आज शहर चारों दिशाओं से राष्ट्रीय राजमार्गों एवं बेहतर सडक़ नेटवर्क से जुड़ चुका है। उन्होंने कहा कि शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए रेलवे फाटकों पर अंडरपास और ओवरब्रिज बनाए जा रहे हैं, जिससे लोगों को आवागमन में सुविधा मिल रही है और यातायात व्यवस्था भी बेहतर हो रही है। उन्होंने कहा कि एनआईटी क्षेत्र के लोगों की स्वच्छ पेयजल से जुड़ी समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में भी सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। करीब 250 करोड़ रुपये की लागत से यमुना नदी से सीधे एनआईटी क्षेत्र तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने की परियोजना पर कार्य किया जा रहा है और वर्ष 2027 तक इस व्यवस्था को शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि हमारी केंद्र और प्रदेश सरकार के कार्यकाल में फरीदाबाद में विकास की गति लगातार तेज हुई है और आगे भी क्षेत्र की जनता की आवश्यकताओं एवं मांगों के अनुरूप विकास कार्य करवाए जाएंगे। इससे बिजली आपूर्ति अधिक सुरक्षित एवं व्यवस्थित होने के साथ-साथ गलियों और मोहल्लों की सुंदरता में भी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि भूमिगत बिजली व्यवस्था होने से आंधी, बारिश एवं तूफान के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित होने की समस्या को भी कम करने में मदद मिलेगी।

नूंह की अदालत ने नशा तस्कर को सुनाई 12 साल कैद की सजा

नूंह। नूंह की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संदीप चौहान की अदालत ने एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में दोषी इरफान निवासी तिरवाड़ा, थाना बिछौर को 12 वर्ष के कठोर कारावास तथा एक लाख 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

जुर्माना अदा नहीं करने की स्थिति में दोषी को छह माह की अतिरिक्त साधारण कैद भुगतनी होगी। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि 21 अगस्त 2024 को थाना बिछौर पुलिस को सूचना मिली थी कि इरफान अपनी गाड़ी में भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली कफ सिरप लेकर बिक्री के लिए जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने नूंह-अलवर रोड पर गांव तिरवाड़ा के पास नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में संदिग्ध वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से विंग्स कंपनी की कोडीन फॉस्फेट युक्त प्रतिबंधित सिर्प की 240 बोतलें बरामद हुईं। पुलिस ने बरामद नशीली सिर्प को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। जांच के दौरान पुलिस ने आवश्यक साक्ष्य जुटाकर आरोपी को अदालत में पेश किया। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 12 वर्ष के कठोर कारावास और डेढ़ लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ की बरामदगी तस्करी के इरादे की ओर संकेत करती है। ऐसे मामलों में नरमी बरतने से समाज में गलत संदेश जाने की संभावना है।

नोएडा में महिला समेत चार लोगों ने फांसी लगाकर दी जान

नोएडा। नोएडा में अलग-अलग जगहों पर एक महिला समेत चार लोगों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। यह सभी मामले रविवार की रात के हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आयी कि इन सभी लोगों ने मानसिक तनाव के चलते यह कदम उठाया है। फिलहाल आगे की जांच चल रही है। थाना सेक्टर 49 क्षेत्र स्थित सलारपुर के रहने वाले मंगल की पत्नी भावना ने (24) ने रविवार की रात को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

शादी को अभी चार साल ही बीते थे। इस संबंध में अपर पुलिस उपायुक्त स्वतंत्र कुमार सिंह की मौजूदगी में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इस संबंध में अधिकारी ने बताया कि अगर मृतका के परिजन इस मामले में कोई शिकायत दर्ज कराते हैं तो पुलिस मामले की जांच करेगी। बिसरख थाना क्षेत्र में रहने वाले जय प्रकाश के पुत्र ऋषि ने रविवार की रात को फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। जांच को पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि 19 वर्षीय ऋषि मूलरूप से बुलंदशहर का निवासी था। इस समय वह गौर सिटी में रहते थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसी तरह थाना ईकोटेक थ्री क्षेत्र में रहने वाले 26 वर्षीय ललित कुमार ने फांसी लगाकर जान दे दी है। वह मूल रूप से जनपद बरेली के रहने वाले थे। बीती रात को उन्होंने अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी रंजीत कुमार सिंह ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा बिसरख थाना प्रभारी रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाले 24 वर्षीय पीयूष सोलंकी ने मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। पुलिस ने पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

'2027 मिशन के लिए रहें तैयार, कमल निशान ही हमारी पहचान', नितिन नवीन ने गाजियाबाद में किया आह्वान

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे

गाजियाबाद। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दौरे पर पहुंचे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का गाजियाबाद में सोमवार सुबह एनएच-9 पर भाजपा नेताओं द्वारा स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान नितिन नवीन ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कमल का निशान ही भाजपा की पहचान है और प्रत्येक कार्यकर्ता को संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करना है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति केवल माध्यम है, जबकि पार्टी का विचार और संकल्प ही सर्वोपरि है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपने-अपने बूथों पर पार्टी के विचारों तथा केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया।

नितिन नवीन ने कहा कि संगठन की मजबूती बूथ स्तर से होती है। कार्यकर्ताओं को अपने-अपने बूथों पर सक्रिय रहकर पार्टी के पक्ष को जनता तक पहुंचाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष की ओर से किए जा रहे दुष्प्रचार का जवाब भी कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करके देना है। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, सांसद अतुल गर्ग, भोला सिंह सांसद एवं राष्ट्रीय मंत्री, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप, जिला प्रभारी अशोक कटारिया, प्रदेश महामंत्री राजेश सिंह, सदर विधायक संजीव शर्मा, अजीत पाल त्यागी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गुरुग्रामः ऑटोमोबाइल निर्माण क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धः राहुल भारती

गुरुग्राम,एजेंसी। ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने बड़ा कदम उठाया है। कंपनी अपने जापान-इंडिया इंस्टीट्यूट फॉर मैन्युफैक्चरिंग (जिम) ऊंचा माजरा गुरुग्राम में महिला छात्राओं की संख्या 30 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। यह जानकारी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के कॉर्पोरेट अफेयर्स के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर राहुल भारती ने सोमवार को बातचीत में दी।

उन्होंने कहा कि शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में यहां महिला छात्राओं की संख्या करीब पांच प्रतिशत थी, जिसे 2028-29 तक बढ़ाकर 30 प्रतिशत किया जाएगा। इसके लिए महिला प्रशिक्षकों को 100 प्रतिशत ट्यूशन फीस माफी, हॉस्टल और बेहतर वातावरण दिया जा रहा है। मारुति सुजुकी ने देश में चार जेआईएम गुजरात के मेहसाणा और गांधीनगर तथा मानेसर के ऊंचा माजरा और सोनीपत में स्थापित किए हैं। जेआईएम ऊंचा माजरा में ऑटोमोटिव सेक्टर से जुड़े नौ ट्रेड में कोर्स कराए जाते हैं। राहुल भारती ने कहा कि स्किल्स में 360ए पूर्णता के लिए विविधता जरूरी है। इसी सोच के साथ हम मैन्युफैक्चरिंग में महिलाओं की भागीदारी को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। देशभर में प्रतिभाशाली महिलाएं मौजूद हैं, लेकिन कई अब भी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में मिलने वाले मौकों से अनजान हैं।

खुशी है कि जेआईएम ऊंचा माजरा की दो छात्राएं इस साल मैन्युफैक्चरिंग ट्रेड में हरियाणा राज्य की टॉपर बनीं, जो इस क्षेत्र में महिलाओं की क्षमता को दिखाता है। उन्होंने कहा कि संख्या बढ़ाने के लिए समावेशी माहौल बनाया जा रहा है, महिला फैकल्टी की संख्या बढ़ाई जा रही है। इस साल से 100 फीस फीस माफी शुरू की गई है। ऊंचा माजरा जेआईएम के छात्रों का प्रदर्शन लगातार शानदार रहा है। इस साल इंस्टीट्यूट के छात्रों ने चार ट्रेड में हरियाणा में टॉप रैंक हासिल की है, जिनमें से दो ट्रेड में टॉप तीन रैंक पर इसी इंस्टीट्यूट के छात्र रहे।

धार्मिक स्थानों को लूट रही है बीजेपी : अभय चौटाला

गुरुग्राम। सेक्टर-50 स्थित बाबा बालक नाथ की समाधि और मंदिर को हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा तोड़े जाने के मामले में इनेलो के वरिष्ठ नेता अभय सिंह चौटाला झाड़सा पहुंचे। उन्होंने मंदिर परिसर का दौरा कर ग्रामीणों से बातचीत की। इस कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए अभय चौटाला ने आरोप लगाया कि सरकार ने एक बिल्डर के साथ मिलकर इस धार्मिक स्थल और गौशाला को नुकसान पहुंचाया है। मंदिर से गौवंश, दानपात्र की राशि और मूर्तियां तक हटा दी गई हैं। अभय चौटाला ने मांग की कि इस मामले में शामिल अधिकारियों और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तुरंत केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से दोषियों की पहचान करना बेहद आसान है, लेकिन यह सब सरकार में बैठे लोगों के इशारे पर हुआ है। उन्होंने राजस्थान के विधायक महंत बालक नाथ को भी सलाह देते हुए कहा कि उन्हें सरकार से बातचीत करने की बजाय धर्म और आस्था की रक्षा के लिए आर-पार की लड़ाई लड़नी चाहिए।

नूंह की अदालत ने नशा तस्कर को सुनाई 12 साल कैद की सजा

नूंह। नूंह की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संदीप चौहान की अदालत ने एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में दोषी इरफान निवासी तिरवाड़ा, थाना बिछौर को 12 वर्ष के कठोर कारावास तथा एक लाख 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना अदा नहीं करने की स्थिति में दोषी को छह माह की अतिरिक्त साधारण कैद भुगतनी होगी।

पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि 21 अगस्त 2024 को थाना बिछौर पुलिस को सूचना मिली थी कि इरफान अपनी गाड़ी में भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली कफ सिरप लेकर बिक्री के लिए जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने नूंह-अलवर रोड पर गांव तिरवाड़ा के पास नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में संदिग्ध वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से विंग्स कंपनी की कोडीन फॉस्फेट युक्त प्रतिबंधित सिर्प की 240 बोतलें बरामद हुईं। पुलिस ने बरामद नशीली सिर्प को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। जांच के दौरान पुलिस ने आवश्यक साक्ष्य जुटाकर आरोपी को अदालत में पेश किया। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 12 वर्ष के कठोर कारावास और डेढ़ लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ की बरामदगी तस्करी के इरादे की ओर संकेत करती है। ऐसे मामलों में नरमी बरतने से समाज में गलत संदेश जाने की संभावना है।

नोएडा में सीढ़ियों से गिरकर बुजुर्ग की मौत, दो जगहों पर मिले अज्ञात शव

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में थाना सेक्टर 39 में बीती रात रविवार को सीढ़ियों से गिरकर एक बुजुर्ग की मौत हो गई। वहीं थाना सेक्टर 24 क्षेत्र में एक 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का लहूलुहान शव मिला है। उधर, थाना बिसरख थाना क्षेत्र में भी एक शव मिला है।यहां मौके पर एक कार पलटी पाई गई हैं, जिससे आशंका है कि वाहन की टक्कर लगने से ही सड़क किनारे सो रहे अधेड़ की मौत हुई है।तीनों ही मामलों में थाना पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

थाना सेक्टर 39 के प्रभारी डीपी शुक्ल ने सोमवार को बताया कि खोड़ा कॉलोनी के राजीव विहार में रहने वाले रामकुमार महतो (64)पुत्र अनार सिंह बीती रात को अपने घर पर संदिग्ध परिस्थितियों में सीढ़ियों से नीचे गिर गए। उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। इस सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं थाना सेक्टर 24 क्षेत्र में बीती रात नाले में लहूलुहान हालत में एक अधेड़ शव मिला। सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी उमेश नैथानी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त का प्रयास किया लेकिन कोई जानकारी नहीं हो सकी। थाना प्रभारी ने बताया कि सेक्टर 33-32 नोएडा सिटी सेंटर के पास नाले में करीब 40 वर्षीय अधेड़ का शव मिला है। मृतक के शरीर पर जगह-जगह चोट के निशान हैं। आसपास के लोगों की सहायता और सोशल मीडिया के माध्यम से मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल शव को मोर्चूरी में रखवा हुए अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। इसी तरह थाना बिसरख के प्रभारी रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र में एक 45 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का लहूलुहान शव मिला है। थाना प्रभारी ने बताया कि जिस जगह शव मिला है, वहीं पर एक कार पलटी हुई मिली है। कार के अंदर दो लोग फंसे हुए थे। पुलिस को आशंका है कि उक्त कार चालक ने सड़क किनारे सो रहे मृतक को टक्कर मार दी है। हादसे के बाद वह नाले में जा गिरा और उसकी मौत हो गई।

नूंह में 2.125 किलो हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नूंह,एजेंसी। नूंह पुलिस की अपराध जांच शाखा एवं एंटी नारकोटिक्स सेल तावडू ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए दो नशा तस्करों को 2 किलो 125 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 4 करोड़ 30 लाख रुपये बताई गई है। आरोपी हेरोइन को क्रेटा कार में 40 पैकेटों में छिपाकर ले जा रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अरबाज निवासी नानुका, जिला नूंह और सलीम निवासी खेड़ी, जिला खैरथल, राजस्थान के रूप में हुई है।

पुलिस अधीक्षक नूंह डॉ. अर्पित जैन ने प्रेसवार्ता में बताया कि नशा मुक्ति अभियान के तहत तावडू सीआईए प्रभारी उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि दो सक्रिय नशा तस्कर काले रंग की क्रेटा कार में हेरोइन लेकर रंगाला घाटी के रास्ते नानुका की ओर आने वाले हैं। सूचना के आधार पर तावडू सीआईए की टीम ने रंगाला घाटी के पास नाकाबंदी कर दी। इसी दौरान संदिग्ध क्रेटा कार वहां पहुंची और पुलिस को देखकर तेज गति से भागने का प्रयास करने लगी। पुलिस के अनुसार, इस दौरान कार ने पुलिस की सरकारी गाड़ियों को टक्कर मार दी। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर कार को रोक लिया और दोनों आरोपियों को काबू कर लिया।नियमानुसार राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में वाहन की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान चालक सीट के पीछे छिपाकर रखे 40 पैकेट बरामद हुए। जांच करने पर इनमें हेरोइन पाई गई, जिसका कुल वजन 2 किलो 125 ग्राम निकला। पुलिस ने मादक पदार्थ को कब्जे में लेकर सील कर दिया और क्रेटा कार को भी जब्त कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना सदर तावडू में एनडीपीएस एक्ट सहित अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि पिछले 20 दिनों में तावडू सीआईए की यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों से हेरोइन की सप्लाई चेन, खरीद-फरोख्त के नेटवर्क तथा मामले से जुड़े अन्य संभावित आरोपियों के बारे में पूछताछ की जा रही है। इसके अलावा आरोपियों की संपत्ति और आर्थिक गतिविधियों की भी जांच की जा रही है।

अब इटली से उठी बुरका-हिजाब प्रतिबंध की आवाज!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी द्वारा देश के स्कूलों में बुरका-हिजाब पर प्रतिबंध लगाने और हर कक्षा में विदेशी छात्रों की संख्या सीमित करने की घोषणा ने एक बार फिर वैश्विक पटल पर बुरका-हिजाब ला दिया है। वस्तुत: विश्व के कई देशों की सरकारों ने यह पाया है कि कैसे राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक पहचान के बीच इस्लाम से जुड़ी ये दो आदत आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था जैसे हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशन, सरकारी बैंक और संवेदनशील इमारतें सीसीटीवी और फेशियल रिकॉग्निशन टेक्नोलॉजी (चेहरा पहचानने वाली तकनीक) पर भारी पड़ रही हैं। बुरका और हिजाब से चेहरा पूरी तरह ढक जाने के कारण किसी व्यक्ति की पहचान सत्यापित करना असंभव हो जाता है। श्रीलंका और कई अफ्रीकी देशों ने पाया है कि चरमपंथी और आत्मघाती हमलावर अपनी पहचान छिपाने और हथियारों की तस्करी के लिए बुरके का दुरुपयोग करते हैं, जिसके कारण सुरक्षा के लिहाज से कानून प्रवर्तन एजेंसियां सार्वजनिक स्थानों पर हर नागरिक का चेहरा खुला रखना अनिवार्य मानती हैं। इसके अलावा, पश्चिमी देश, विशेषकर यूरोपीय राष्ट्र, एक बहुसांस्कृतिक समाज में प्रवासियों के पूरी तरह घुलने-मिलने पर जोर देते हैं। वैसे भी इंसानी बातचीत और सामाजिक जुड़ाव में चेहरे के हाव-भाव सबसे बड़ी भूमिका निभाते हैं। चेहरा ढके होने से बातचीत में एक अघोषित दीवार खड़ी हो जाती है, जो प्रवासियों को स्थानीय नागरिकों से अलग करती है।

इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी के अनुसार, सच्चे एकीकरण का मतलब यह है कि प्रवासी देश की भाषा सीखें और वहां के सामाजिक ताने-बाने का सम्मान करें। बुरके को एक ऐसे सांस्कृतिक अलगाव के प्रतीक के रूप में देखा जाता है जो किसी समुदाय को मुख्यधारा के समाज में शामिल होने से रोकता है। यूरोप के देश फ्रांस में 'लाइसीते' (कट्टर धर्मनिरपेक्षता) का सिद्धांत लागू है, जिसके तहत सरकारी स्कूलों, दफ्तरों और सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार के प्रमुख धार्मिक प्रतीकों (चाहे वह बड़ा ईसाई क्रॉस हो, यहूदी टोपी हो, या मुस्लिम हिजाब/बुरका हो) के प्रदर्शन पर रोक है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सार्वजनिक क्षेत्र पूरी तरह से तटस्थ रहे। साथ ही, उदारवादी और नारीवादी विचारकों का एक बड़ा वर्ग बुरके और नकाब को पितृसत्तात्मक दमन का प्रतीक मानता है। सरकार का तर्क है कि बहुत सी युवा लड़कियों और महिलाओं को उनके परिवारों या मजहबी संरक्षकों द्वारा अपनी इच्छा के विरुद्ध चेहरा ढकने के लिए मजबूर किया जाता है, इसलिए प्रतिबंध लगाने वाले देशों का मानना है कि यह कानून उन महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करता है जो अपनी मर्जी से इसे नहीं पहनना चाहतीं। फ्रांस साल 2011 में सार्वजनिक स्थानों पर बुरका और नकाब पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने वाला पहला यूरोपीय देश बना था। इसके तुरंत बाद बेल्जियम ने भी यही राह चुनी। स्विट्जरलैंड ने एक जनवरी 2025 से पूरे देश के सार्वजनिक स्थानों पर इसे प्रतिबंधित किया है, जबकि पुर्तगाल की संसद ने अगस्त 2026 में इस पर अपनी मुहर लगाई है। इसके अलावा ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, बुल्गारिया और नीदरलैंड जैसे देशों में भी आंशिक प्रतिबंध लागू हैं। सिर्फ यूरोपीय देश ही नहीं, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान और किर्गिस्तान जैसे मुस्लिम बहुल देशों ने भी मजहबी कट्टरपंथ पर लगाम लगाने और अपनी मूल धर्मनिरपेक्ष संस्कृति की रक्षा के लिए स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर हिजाब और बुरके पर कड़े नियम तय किए गए हैं। यहां एक ओर बात ध्यान देने योग्य है कि शोध संस्था 'फोंडाजियोन आईएसएमयू' के आंकड़ों से यह बात निकलकर सामने आई है कि इटली के स्कूलों में कुल नामांकित छात्रों में से लगभग 11.6 फीसद छात्र ऐसे हैं जिनके पास इटली की नागरिकता नहीं है, यानी हर 100 में से लगभग 12 छात्र विदेशी मूल के हैं। इस जनसांख्यिकीय बदलाव को देखते हुए, मेलोनी सरकार स्कूलों में चेहरा ढकने पर रोक लगा रही है ताकि समानता दिखे, और प्रत्येक कक्षा में विदेशी छात्रों का कोटा तय कर रही है। स्थानीय इतालवी बच्चे अल्पसंख्यक महसूस न करें और प्रवासी बच्चे तेजी से इतालवी भाषा व संस्कृति सीख सकें। इस तरह से इस पूरे प्रकरण को गहराई से देखने पर यह बात साफ तौर पर पता चलती है कि इटली एवं अन्य यूरोपीय देश प्रवासियों को अपने समाज में शामिल करने के लिए भविष्य में ओर अधिक सख्त और कानूनी रूप से बाध्यकारी नीतियां अपनाएंगे, जिसमें पहनावे से लेकर भाषा सीखने तक की शर्तें शामिल होंगी। फिलहाल इटली इस निर्णय को अपने हित में देख रहा है। पीएम जॉर्जिया मेलोनी बुरका और हिजाब मामले में निर्णय लेने को लेकर सख्त नजर आ रही हैं। दूसरी ओर भारत जैसे देश हैं, जहां बरका और हिजाब को लेकर सामुदायिक पहचान को इतना अधिक तूल दिया जा रहा है कि समानता के स्तर पर विद्यालयों एवं महाविद्यालयों तक में विवाद खड़े किए जा रहे हैं, जिसमें कि हस्तक्षेप के लिए कानून और संविधान की दुहाई देते हुए न्यायालय में बार-बार प्रकरणों को लेकर जाया जा रहा है! कहने को भारत में इस्लाम को माननेवाले अल्पसंख्यक कहलाते हैं, किंतु ये अल्पसंख्यक आज उन तमाम इस्लामिक देशों से भी कुछ सीखना नहीं चाहते, जहां ये बहुसंख्यक होने के बाद भी अपने इस्लामिक रिपब्लिक में सुरक्षा एवं अन्य कारणों के चलते हिजाब एवं बुरका पर पूरी तरह बैन लगा हुआ है!

यह स्थिति केवल व्यक्तिगत संबंधों तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव परिवार और समाज की संरचना पर भी दिखाई दे रहा है। एक ही घर में रहने वाले लोग कई बार अपने-अपने मोबाइल की स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं। भोजन की मेज पर बातचीत के बजाय सूचनाओं की जांच होती है। बच्चे माता-पिता के साथ समय बिताने के बजाय डिजिटल मनोरंजन में डूबे रहते हैं और माता-पिता भी अपनी आभासी दुनिया में व्यस्त रहते हैं। परिणाम यह है कि घर भौतिक रूप से साथ होते हुए भी भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं। इसी से परिवार के सदस्यों के बीच दूरियां बढ़ती जाती हैं, और यही परिवार टूटने का एक बड़ा कारण भी है। इससे भी व्यक्ति अवसाद की ओर अग्रसर होता जाता है। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि उसने मनुष्य को स्वयं को प्रस्तुत करने का अभूतपूर्व मंच दिया, लेकिन स्वयं को समझने का अवसर कम कर दिया। यहां हर व्यक्ति अपने जीवन का चुना हुआ हिस्सा प्रदर्शित करता है। दूसरों के जीवन की दिखाई देने वाली चमक जब लगातार हमारी आंखों के सामने रहती है, तो अनजाने में तुलना शुरू हो जाती है। हमें लगता है कि दूसरे हमसे अधिक सफल, अधिक खुश और अधिक संतुष्ट हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाला जीवन अक्सर संपूर्ण जीवन नहीं, उसका चयनित अंश होता है। जीवन वही सार्थक है, जिसमें समाज और परिवार का साथ हो। किसी भी प्रकार की तुलना करना हानिकारक ही है। यही तुलना धीरे-धीरे आत्मसंतोष को प्रभावित करती है। व्यक्ति अपने जीवन की वास्तविक उपलब्धियों के बजाय दूसरों की आभासी उपलब्धियों से स्वयं को मापने लगता है। लाइक और कमेंट सामाजिक स्वीकृति के नए पैमाने बन जाते हैं। पोस्ट पर प्रतिक्रिया कम मिले तो बेचैनी और अधिक मिले तो क्षणिक संतोष प्राप्त होता है। यह चक्र व्यक्ति को बाहरी मान्यता पर निर्भर करता जाता है। विडंबना यह है कि हजारों लोगों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने वाला व्यक्ति भी अपने मन की बात कहने के लिए एक विश्वसनीय व्यक्ति की तलाश कर सकता है।

समाज के सामने एक दूसरी चुनौती संवाद की गुणवत्ता की है। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति को आसान बनाया है, लेकिन हर अभिव्यक्ति संवाद नहीं होती। संवाद में सुनना भी शामिल है, जबकि डिजिटल संसार में प्रतिक्रिया देने की जल्दबाजी कई बार सुनने की क्षमता को पीछे छोड़ देती है। असहमति होते ही बहस व्यक्तिगत आरोपों में बदल जाती है। विचारों का आदान प्रदान धीरे-धीरे विचारों की टकराहट में बदलने लगता है। इससे सामाजिक विश्वास कमजोर होता है। यहां यह समझना आवश्यक है कि समस्या सोशल मीडिया स्वयं नहीं है। तकनीक एक साधन है, उसका उपयोग उसे उपयोगी या नुकसानदेह बनाता है। सोशल मीडिया ने आपदा के समय सहायता पहुंचाने, ज्ञान साझा करने, रोजगार और व्यवसाय के अवसर पैदा करने तथा दूर रह रहे परिवारों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समस्या तब पैदा होती है जब साधन जीवन का विकल्प बनने लगे। इसलिए समाधान तकनीक से पलायन नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में है। परिवारों को प्रतिदिन कुछ समय ऐसा निर्धारित करना होगा, जब मोबाइल और अन्य स्क्रीन किनारे रखकर केवल एक-दूसरे से बात की जाए। बच्चों के साथ संवाद को केवल उनकी पढ़ाई और अनुशासन तक सीमित न रखकर उनके विचारों, मित्रताओं, भय और सपनों तक ले जाना होगा। बुजुर्गों को डिजिटल दुनिया में शामिल करने के साथ-साथ उनके अनुभवों को सुनने के लिए भी समय देना होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें 'कनेक्टेड' होने और 'जुड़े' होने के अंतर को समझना होगा। कनेक्शन तकनीक बनाती है, संबंध मनुष्य बनाता है। हजारों संपर्कों की सूची किसी एक सच्चे मित्र का स्थान नहीं ले सकती। सैकड़ों प्रतिक्रियाएं उस एक आत्मीय बातचीत का विकल्प नहीं बन सकतीं, जिसमें सामने वाला हमारी बात केवल सुनता ही नहीं, समझता भी है। आज आवश्यकता सोशल मीडिया छोड़ने की नहीं, बल्कि उसके बीच अपनी सामाजिक संवेदनशीलता बचाए रखने की है। हमें फिर से पड़ोसी से परिचय, मित्र से मुलाकात, परिवार के साथ भोजन और बिना किसी स्क्रीन के बातचीत जैसी छोटी-छोटी मानवीय परंपराओं को जीवन में स्थान देना होगा। क्योंकि मनुष्य को केवल सूचना नहीं, उसे आत्मीयता भी चाहिए। उसे केवल दर्शक नहीं, श्रोता चाहिए, केवल फॉलोअर नहीं, साथी चाहिए। यदि तकनीक हमें हजारों लोगों तक पहुंचा सकती है, तो हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उन हजारों संपर्कों के बीच अपने लोगों से हमारा वास्तविक संबंध कमजोर न हो। सोशल मीडिया की भीड़ में अकेला होता समाज हमारी नियति नहीं है। यह एक चेतावनी है। तकनीक हमारे हाथ में रहे, जीवन पर उसका नियंत्रण न हो, यही संतुलन आधुनिक समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

सोशल मीडिया की भीड़ में अकेला होता व्यक्ति

सुरेश हिंदुस्तानी

तकनीक ने मनुष्य को संवाद के ऐसे साधन उपलब्ध करा दिए हैं, जिनकी कल्पना कुछ दशक पहले तक असंभव लगती थी। अब एक क्लिक पर दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति से संपर्क स्थापित हो जाता है। हजारों मित्र, सैकड़ों समूह, लगातार आती सूचनाएं और हर क्षण सक्रिय रहने वाली आभासी दुनिया ने यह भ्रम पैदा कर दिया है कि मनुष्य पहले से कहीं अधिक जुड़ा हुआ है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक गंभीर सामाजिक विडंबना भी आकार ले रही है, संपर्क बढ़ रहे हैं, संवाद घट रहा है और भीड़ बढ़ने के बावजूद मनुष्य भीतर से अकेला होता जा रहा है। उसे आत्मीयता भरे शब्दों की प्रतीक्षा रहती है। लेकिन दुनिया के व्यक्ति केवल ज्ञान देने तक ही सीमित रहते हैं, साथ चलने को कोई तैयार नहीं होता। सोशल मीडिया ने दूरी अवश्य कम की है, लेकिन निकटता की परिभाषा बदल दी है। पहले किसी अपने से मिलने के लिए समय निकालना पड़ता था। आमने-सामने बैठकर बातचीत होती थी, चेहरे के भाव पढ़े जाते थे और मौन भी संवाद का हिस्सा होता था। अब किसी के जीवन में हमारी उपस्थिति कई बार केवल एक 'लाइक', एक इमोजी या कुछ शब्दों की टिप्पणी तक सीमित हो गई है। जन्मदिन पर दर्जनों शुभकामनाएं मिल जाती हैं, लेकिन संकट की घड़ी में कंधा देने वाला व्यक्ति तलाशना कठिन हो रहा है। इसी कारण आज हर कोई अकेलेपन की गहराई में लगातार घुसता ही जा रहा है। यह बात सच है कि जो व्यक्ति से मिल सकता है, उसे तकनीक कभी नहीं दे सकती।

यह स्थिति केवल व्यक्तिगत संबंधों तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव परिवार और समाज की संरचना पर भी दिखाई दे रहा है। एक ही घर में रहने वाले लोग कई बार अपने-अपने मोबाइल की स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं। भोजन की मेज पर बातचीत के बजाय सूचनाओं की जांच होती है। बच्चे माता-पिता के साथ समय बिताने के बजाय डिजिटल मनोरंजन में डूबे रहते हैं और माता-पिता भी अपनी आभासी दुनिया में व्यस्त रहते हैं। परिणाम यह है कि घर भौतिक रूप से साथ होते हुए भी भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं। इसी से परिवार के सदस्यों के बीच दूरियां बढ़ती जाती हैं, और यही परिवार टूटने का एक बड़ा कारण भी है। इससे भी व्यक्ति अवसाद की ओर अग्रसर होता जाता है। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि उसने मनुष्य को स्वयं को प्रस्तुत करने का अभूतपूर्व मंच दिया, लेकिन स्वयं को समझने का अवसर कम कर दिया। यहां हर व्यक्ति अपने जीवन का चुना हुआ हिस्सा प्रदर्शित करता है। दूसरों के जीवन की दिखाई देने वाली चमक जब लगातार हमारी आंखों के सामने रहती है, तो अनजाने में तुलना शुरू हो जाती है। हमें लगता है कि दूसरे हमसे अधिक सफल, अधिक खुश और अधिक संतुष्ट हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाला जीवन अक्सर संपूर्ण जीवन नहीं, उसका चयनित अंश होता है। जीवन वही सार्थक है, जिसमें समाज और परिवार का साथ हो। किसी भी प्रकार की तुलना करना हानिकारक ही है। यही तुलना धीरे-धीरे आत्मसंतोष को प्रभावित करती है। व्यक्ति अपने जीवन की वास्तविक उपलब्धियों के बजाय दूसरों की आभासी उपलब्धियों से स्वयं को मापने लगता है। लाइक और कमेंट सामाजिक स्वीकृति के नए पैमाने बन जाते हैं। पोस्ट पर प्रतिक्रिया कम मिले तो बेचैनी और अधिक मिले तो क्षणिक संतोष प्राप्त होता

विचार

जदयू के भीतर उठते सवाल और परीक्षा

डॉ.अरविंद नाथ तिवारी

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के सामने इन दिनों एक साथ कई राजनीतिक प्रश्न खड़े दिखाई दे रहे हैं। पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र को लेकर पार्टी के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार और विधायक अनंत सिंह के बीच खुला टकराव, पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को लेकर उठती चर्चाएं और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दे पर अलग-अलग स्वर—इन सबने जदयू की आंतरिक राजनीति को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। ये घटनाएं नेतृत्व, अनुशासन और निर्णय प्रक्रिया को लेकर सवाल पैदा कर रही हैं। पटना स्नातक सीट का विवाद फिलहाल सबसे प्रत्यक्ष राजनीतिक टकराव है। नीरज कुमार इस सीट से लगातार चौथी बार चुनाव लड़ रहे हैं। जदयू ने नीरज कुमार को फिर से प्रत्याशी बनाया है, जबकि अनंत सिंह ने सार्वजनिक रूप से उनके खिलाफ अभियान चलाने और उन्हें हराने की बात कही है, खुले तौर पर अनंत सिंह ने एक निर्दलीय उम्मीदवार को समर्थन देने की घोषणा की है। यह महज दो नेताओं की व्यक्तिगत राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नहीं है। दोनों नेताओं की मोकामा क्षेत्र की पुरानी राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता भी इस विवाद को अतिरिक्त महत्व देती है। अनंत सिंह द्वारा नीरज कुमार पर लगाए गए पुराने आरोप और नीरज कुमार की ओर से अनंत सिंह के बयानों पर की गई टिप्पणियां राजनीतिक टकराव को और तीखा कर रही हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अलग-अलग स्तर पर आवश्यक है, इसलिए इन्हें राजनीतिक आरोपों के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

इस प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पार्टी के भीतर अनुशासन का सवाल सार्वजनिक हो गया है। जदयू के वरिष्ठ नेता ललन सिंह ने पार्टी में आंतरिक मतभेद से इनकार करते हुए आंतरिक लोकतंत्र और बेहतर समन्वय की बात कह रहें हैं। दूसरी ओर, विवाद सार्वजनिक मंच पर जारी रहने से यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है कि पार्टी संगठन ऐसे मतभेदों को किस तरह सुलझाता है। इसी क्रम में कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा को लेकर भी राजनीतिक चर्चाएं चलती रही हैं। उनके बारे में लगाए जा रहे आरोपों में यह दावा शामिल है कि वे नीतीश कुमार के आसपास निर्णय प्रक्रिया को अत्यधिक नियंत्रित कर रहें हैं। संजय झा ने इसके जवाब में पार्टी के एकजुट होकर नीतीश कुमार के नेतृत्व में काम करने की बात कही है। इसलिए यहां वास्तविक प्रश्न यह है कि पार्टी के भीतर संवाद और निर्णय प्रक्रिया कितनी पारदर्शी है। जदयू के लिए दूसरी परीक्षा गठबंधन की राजनीति से जुड़ी है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा 2029 से पहले एनडीए शासित 21 राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करने की बात कहे जाने के बाद जदयू ने इस विषय पर चर्चा की जरूरत बताई है। संजय झा ने अमित शाह से मिलने की बात कही, जबकि जदयू नेता श्याम रजक ने बिहार में यूसीसी लागू किए जाने का विरोध दोहराया, इससे यह स्पष्ट है कि इस मुद्दे पर जदयू और भाजपा के बीच दृष्टिकोण को लेकर सार्वजनिक विमर्श मौजूद है। दरअसल, चुनौती यहां नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत और जदयू के संगठनात्मक भविष्य की है। लंबे समय तक पार्टी की राजनीति का केंद्र नीतीश कुमार रहें हैं, अब पार्टी को यह साबित करना होगा कि नेतृत्व के इर्द-गिर्द बनी राजनीतिक संरचना को संगठनात्मक संस्थाओं, सामूहिक निर्णय और स्थानीय नेतृत्व के माध्यम से कितनी मजबूती दी जा सकती है। पटना स्नातक चुनाव इस लिहाज से केवल एक विधान परिषद सीट का चुनाव नहीं रह गया है। इसके परिणाम से जदयू के भीतर चल रही राजनीतिक खींचतान की दिशा पर चर्चा तेज हो सकती है, लेकिन चुनाव परिणाम को पार्टी के पूरे राजनीतिक भविष्य का अकेला पैमाना मानना भी सही नहीं होगा। चुनाव में स्थानीय समीकरण, प्रत्याशी की व्यक्तिगत पकड़, संगठन की सक्रियता और मतदाताओं के मुद्दे—सभी प्रभाव डालते हैं। जदयू के सामने इसलिए तीन स्तरों पर चुनौती है—संगठन के भीतर अनुशासन, नेतृत्व के बीच समन्वय और गठबंधन के भीतर अपनी राजनीतिक पहचान। यदि पार्टी इन तीनों स्तरों पर संवाद कायम रखती है तो मौजूदा मतभेद संगठनात्मक लोकतंत्र के दायरे में सुलझाए जा सकते हैं, यदि सार्वजनिक टकराव लगातार बढ़ता है और उसके समाधान के लिए प्रभावी राजनीतिक तंत्र दिखाई नहीं देता, तो उसका असर संगठन की एकजुटता पर पड़ सकता है। आज का यक्ष प्रश्न यह नहीं कि जदयू तत्काल दोफाड़ होगा या कौन नेता चुनाव जीतेगा। असली प्रश्न यह है कि बदलते राजनीतिक दौर में जदयू अपने मतभेदों को किस तरह संस्थागत संवाद में बदलता है। पटना स्नातक चुनाव एक तात्कालिक परीक्षा है, लेकिन जदयू के लिए असली परीक्षा उससे कहीं बड़ी—अपनी संगठनात्मक एकता, नेतृत्व की विश्वसनीयता और राजनीतिक पहचान को बनाये रखने की है।

एक नजर

नीतीश कुमार ने बख्तियारपुर का किया दौरा, पैतृक आवास पर उमड़ी लोगों की भीड़

पटना,एजेंसी। जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार ने सोमवार को बख्तियारपुर स्थित अपने पैतृक आवास का दौरा किया। इस दौरान बड़ी तादाद में स्थानीय लोगों ने नीतीश कुमार का आत्मीयता एवं गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। नीतीश कुमार ने भी उपस्थित लोगों का अभिवादन स्वीकार किया और उनसे आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनका कुशल-क्षेम जाना तथा क्षेत्र के लोगों के साथ अपने पुराने संबंधों को याद किया। अपने पैतृक आवास पहुंचने पर नीतीश कुमार ने वहां झंडे की पूजा की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। नीतीश कुमार जिन्दाबाद के नारे के साथ लोगों में अपने क्षेत्र के लोकप्रिय नेता से मिलने को लेकर उत्साह और आत्मीयता का माहौल देखने को मिला। नीतीश कुमार ने इस दौरान उपस्थित लोगों से सहज भाव से संवाद किया और सभी का अभिवादन स्वीकार किया। बख्तियारपुर से उनका पुराना और भावनात्मक जुड़ाव रहा है, ऐसे में उनके पैतृक आवास पर स्थानीय लोगों की उपस्थिति ने इस मुलाकात को विशेष बना दिया।

संस्कृत विश्वविद्यालय में 'प्रबुद्ध भारतम्' स्मारिका का लोकार्पण

दरभंगा,एजेंसी। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय में सोमवार को 'प्रबुद्ध भारतम्' स्मारिका के लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य वक्ता प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय सह-संयोजक चंद्रकांत ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा हमारी सांस्कृतिक पहचान का आधार है। नई पीढ़ी को इससे जोड़ना वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने भारतीय दृष्टि से ज्ञान, संस्कृति एवं राष्ट्रबोध को समझने पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कार्यकारी कुलपति प्रो. दिलीप झा ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के निर्माण का ठोस आधार है। संस्कृत विश्वविद्यालयों का दायित्व है कि भारतीय ज्ञान, दर्शन, साहित्य, संस्कृति एवं जीवन-मूल्यों से जुड़े विमर्श को अकादमिक जगत में व्यापक बनाएं। उन्होंने 'प्रबुद्ध भारतम्' के प्रकाशन को भारतीय चिंतन एवं सांस्कृतिक चेतना को अभिव्यक्त करने वाला सार्थक प्रयास बताया। कुलसचिव डॉ. दिनेश झा ने कहा कि भारतीय संस्कृति की मूल शक्ति उसकी ज्ञान-संपदा, चिंतन परंपरा तथा विविधता में निहित एकात्म दृष्टि में है। उन्होंने युवाओं को भारतीय ज्ञान परंपरा के समकालीन एवं जीवनोपयोगी पक्षों से परिचित कराने की आवश्यकता बताई। स्वागत भाषण डॉ. लक्ष्मी ने दिया, जबकि संचालन डॉ. अनुराग मिश्रा ने किया। समारोह में विश्वविद्यालय के पदाधिकारी, शोधार्थी, विद्यार्थी, कर्मी, मीडिया प्रतिनिधि तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में पूर्व विधि पदाधिकारी डॉ. कृष्णानंद मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

जमुई में नाबालिग से छेड़खानी मामले में तीन निरुद्ध, दो की तलाश जारी

पटना। बिहार के जमुई जिले में नाबालिग से छेड़खानी और बदसलूकी के कथित वीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस मुख्यालय ने मामले का संज्ञान लिया है। पुलिस ने अब तक तीन नाबालिगों को निरुद्ध किया है, जबकि दो अन्य आरोपितों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है। इस मामले की जांच के लिए जमुई की महिला अनुमंडल पुलिस पदधिकारी (एसडीपीओ) के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया गया है। पुलिस ने मामले में स्पीडी ट्रायल की तैयारी शुरू करने और आपत्तिजनक वीडियो प्रसारित करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की बात कही है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) विधि-व्यवस्था केएस अनुपम ने सोमवार को बताया कि मामले में अब तक तीन नाबालिगों को पुलिस ने निरुद्ध किया है। दो अन्य युवकों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई जारी है। जमुई के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विश्वजीत दयाल ने बताया कि घटना 19 सितंबर की है और इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद घटनास्थल का निरीक्षण और घटना का पुनर्निर्माण कर वीडियो में दिख रहे लोगों की पहचान की गई। फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए एसडीपीओ जमुई के नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई है। एसपी के अनुसार, वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने पीड़िता से संपर्क किया। पीड़िता ने बताया कि घटना 19 सितंबर की शाम करीब सात बजे की है। शुरुआत में उसके पिता के बयान पर अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद वीडियो और तस्वीरों के आधार पर संदिग्धों की पहचान कर कार्रवाई की गई। इस मामले में बिहार राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष अप्सरा ने भी संज्ञान लिया है। उन्होंने जमुई के एसपी को पत्र भेजकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। आयोग के अनुसार, 19 सितंबर की शाम करीब सात बजे जमुई शहर से कोचिंग कर मड़वा पहाड़ से लौट रही 10वीं कक्षा की छात्रा के साथ कुछ लोगों द्वारा कथित तौर पर मारपीट और बदसलूकी किए जाने का वीडियो वायरल हुआ है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी मामले को लेकर बिहार सरकार से जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो में दिख रहे प्रत्येक व्यक्ति की पहचान और गिरफ्तारी होनी चाहिए और आरोपितों के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत मुकदमा चलाकर शीघ्र सजा दिलाई जानी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि घटना 19 सितंबर की है तो आरोपित अब तक गिरफ्तार क्यों नहीं हुए।

जदयू कोटे के मंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, विधायकों एवं विधान पार्षदों ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिया एक माह का वेतन

संकट की घड़ी में बाढ़ पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है जदयू : उमेश सिंह कुशवाहा

पटना। बिहार में बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत एवं सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से मौजूदा एनडीए सरकार में जनता दल यूनाईटेड (जदयू) कोटे के मंत्री, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, विधायकों एवं विधान पार्षदों ने महत्वपूर्ण पहल की है। जदयू नेताओं ने अपने एक माह के वेतन की राशि का चेक मुख्यमंत्री राहत कोष में अंशदान के रूप में सोमवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को सौंपा।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, मंत्री श्रवण कुमार, विधान परिषद में पार्टी के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह 'गांधी', पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह विधायक श्याम रजक, विधायक ललित नारायण मंडल, मंजीत कुमार सिंह, विधान पार्षद नीरज कुमार, विधायक पप्पू कुमार वर्मा, अरुण मांझी ने सहायता राशि का चेक मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को सौंपा। मुख्यमंत्री को चेक सौंपने के बाद प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि बाढ़ की विभीषिका से प्रभावित लोगों के साथ पार्टी पूरी मजबूती से खड़ी है। उन्होंने पार्टी के सभी विधायक एवं विधान पार्षदों से अपने एक-एक माह का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में अंशदान करने की अपील की है। उमेश कुशवाहा ने कहा कि राज्य सरकार बाढ़ पीड़ितों को हरसंभव राहत एवं सहायता उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा जरूरतमंद परिवारों तक आवश्यक सहायता पहुंचाने के लिए

सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जदयू विधानमंडल के कुल 14 सदस्यों द्वारा एक माह के वेतन का अंशदान किया गया है। पार्टी के अन्य विधायक एवं विधान पार्षद भी जल्द ही अपने एक-एक माह के वेतन की राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में अंशदान करेंगे।

गणेश विसर्जन शोभायात्रा को लेकर हैदराबाद में 20 हजार पुलिसकर्मी तैनात, मस्जिदों को कपड़े से ढका गया

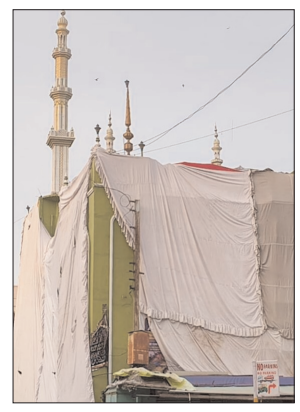

हैदराबाद। गणेश विसर्जन शोभायात्रा को देखते हुए हैदराबाद पुलिस और नागरिक प्रशासन ने शहर में शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। एहतियाती कदम के तहत शोभायात्रा के प्रमुख मार्गों, विशेषकर चारमीनार, अफजल गंज और पुराने शहर के संवेदनशील इलाकों में स्थित मस्जिदों को बड़े तिरपाल और कपड़े की चादरों से ढका गया है। शोभायात्रा के सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन के लिए शहर में करीब 20 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बालापुर से टैंक बंड (हुसैन सागर) तक शोभायात्रा के मुख्य मार्ग का मौके पर निरीक्षण किया। संयुक्त निरीक्षण में ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी), हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति सुरक्षा एजेंसी (हैद्रा) और सड़क एवं भवन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल रहे। अधिकारियों ने मार्ग पर बुनियादी सुविधाओं और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता का जायजा लिया। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पूरे शोभायात्रा मार्ग पर हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों की लाइव फीड की निगरानी तेलंगाना एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र से चौबीसों घंटे की जा रही है। वरिष्ठ अधिकारी वहां से पूरे मार्ग की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। आपात स्थिति से निपटने और भीड़ नियंत्रण के लिए रणनीतिक स्थानों पर विशेष दलों की तैनाती की गई है। इनमें क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी), बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वाड, एंटी-चेन स्नैचिंग टीम और महिलाओं की सुरक्षा के लिए शी टीम शामिल हैं। पुलिस प्रशासन ने आम लोगों और आयोजकों से सुरक्षा नियमों का पालन करने तथा शांतिपूर्ण माहौल में गणेश विसर्जन का पर्व संपन्न कराने में सहयोग की अपील की है।

बिहार भवन उपविधि-2026 को सरल एवं जनोपयोगी बनाने के लिए मंत्रियों के समूह ने की बैठक

पटना। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी की अध्यक्षता में सिंचाई भवन स्थित कार्यालय में नगर विकास एवं आवास विभाग से संबंधित बिहार भवन उपविधि-2026 के प्रारूप पर गठित उच्चस्तरीय मंत्रियों के समूह की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रस्तावित भवन उपविधि के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। साथ ही, भवन निर्माण से संबंधित नियामक प्रक्रियाओं को अधिक सरल, पारदर्शी, सुगम एवं जनोपयोगी बनाने के लिए विभिन्न सुझावों और अनुशंसाओं पर चर्चा की गई। बैठक में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग सह ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव, नगर विकास एवं आवास नीतीश मिश्रा तथ लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री संजय कुमार सिंह उपस्थित रहे। बैठक में नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार ने पी.पी.टी के माध्यम से बिहार भवन उपविधि-2026 के प्रारूप एवं प्रस्तावित प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी।

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि नक्शे की वैधता से संबंधित प्रावधानों में प्रस्तावित संशोधन से आम लोगों को काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न हितधारकों द्वारा दिए गए सकारात्मक एवं व्यावहारिक सुझाव बिहार भवन उपविधि-2026 को और अधिक प्रभावी, सरल एवं जनोपयोगी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि 'बिहार भवन उपविधि-2026 का मुख्य उद्देश्य व्यवसाय में सुगमता एवं जीवन जीनें में सुगमत को बेहतर बनाना है। इसके साथ ही भवन निर्माण से जुड़ी प्रक्रियाओं को आसान बनाना और लोगों को बेहतर सुविधा देना है। इसके तहत अनावश्यक नियमों और प्रक्रियाओं को कम किया जाएगा तथा भवन निर्माण की अनुमति से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाया जाएगा। नीतीश मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सुनियोजित, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित विकास के विज़न के अनुरूप बिहार भवन उपविधि-2026 के माध्यम से भवन निर्माण की प्रक्रियाओं को सरल, सुगम और पारदर्शी बनाया जा रहा है, ताकि आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

26 सितंबर से शुरू होगा पितृपक्ष, 16 दिनों तक पूर्वजों के प्रति श्रद्धा अर्पित करेंगे लोग

किशनगंज,एजेंसी। भारतीय संस्कृति में माता-पिता और पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। सनातन धार्मिक परंपरा में पितृपक्ष को इसी भाव को समर्पित विशेष अवधि माना गया है। इस दौरान लोग अपने दिवंगत माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी सहित अन्य पूर्वजों का स्मरण करते हुए तर्पण, श्राद्ध, पिंडदान और दान-पुण्य करते हैं। इस वर्ष पितृपक्ष 26 सितंबर से शुरू होकर 10 अक्टूबर तक चलेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृपक्ष के दौरान श्रद्धा और विधि-विधान से किए जाने वाले कर्मों का विशेष महत्व है। पुरोहितों के अनुसार जिन पूर्वजों के निधन की तिथि ज्ञात होती है, उनका श्राद्ध उसी तिथि को करने की परंपरा है। वहीं सर्वपितृ अमावस्या को उन पूर्वजों के लिए श्राद्ध किया जाता है, जिनकी मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं होती या किसी कारण से उनका श्राद्ध नहीं हो पाया हो। महाकाल मंदिर के पुरोहित गुरु साकेत के अनुसार धार्मिक ग्रंथों में श्राद्ध कर्म के माध्यम से पितरों को प्रसन्न करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने की मान्यता बताई गई है। उन्होंने गरुड़ पुराण का उल्लेख करते हुए कहा कि धार्मिक विश्वास के अनुसार श्राद्ध से संतुष्ट पितर आयु, संतान, यश, कीर्ति, बल, धन और धान्य की वृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। उन्होंने कहा कि पितृपक्ष का मूल उद्देश्य पूर्वजों का स्मरण और उनके प्रति सम्मान व्यक्त करना है।

पितृपक्ष में तर्पण और श्राद्ध के साथ दान-पुण्य की भी परंपरा रही है। कई परिवार पूर्वजों

की स्मृति में ब्राह्मण भोज, अन्नदान, जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र और अन्य उपयोगी सामग्री का वितरण करते हैं। अलग-अलग क्षेत्रों में इन अनुष्ठानों की विधि और परंपराओं में कुछ अंतर देखने को मिलता है। गुरु साकेत बताते हैं कि हिंदू धार्मिक परंपरा में पितृ दोष की भी मान्यता है। धार्मिक विश्वास के अनुसार पूर्वजों के प्रति उचित कर्म नहीं किए जाने से परिवार के जीवन में बाधाएं आने की धारणा है। इसी कारण पितृपक्ष में श्राद्ध, तर्पण और दान-पुण्य कर पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त करने की परंपरा है। हालांकि पितृ दोष और उससे जुड़े प्रभाव धार्मिक मान्यताओं का विषय हैं, इन्हें वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित तथ्य नहीं माना जाता। पितृपक्ष धार्मिक अनुष्ठानों के साथ परिवार की नई पीढ़ी को पूर्वजों की स्मृतियों, उनके योगदान और पारिवारिक परंपराओं से जोड़ने का अवसर भी माना जाता है। श्रद्धा, स्मरण और कृतज्ञता ही इस अवधि का प्रमुख भाव माना गया है।

कृषि, डेयरी, खाद्य भंडारण एवं ग्रामीण उद्योगों के लिए प्राथमिकता के आधार पर ऋण सुलभ कराएं सहकारी बैंक : राम कृपाल यादव

पटना,एजेंसी। बिहार राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड, पटना की 77वीं वार्षिक आम बैठक सोमवार को हुई। बैठक में सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव शामिल हुए। बैठक में बैंक की वित्तीय स्थिति, विगत वित्तीय वर्ष की उपलब्धियों, बैंकिंग सेवाओं के विस्तार तथा आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बैंक के वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रमुख उपलब्धियों एवं रणनीतिक पहलों को भी प्रस्तुत किया गया।

कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर जोर

मंत्री राम कृपाल यादव ने कहा कि सहकारी बैंक ग्रामीण अर्थव्यवस्था की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कृषि, डेयरी, खाद्य भंडारण एवं ग्रामीण उद्योगों के लिए प्राथमिकता के आधार पर ऋण सुलभ कराने का कार्य सहकारी बैंकों द्वारा किया जाए। इससे किसानों, पशुपालकों, ग्रामीण उद्यमियों तथा छोटे व्यवसायियों को अपनी आर्थिक गतिविधियों के विस्तार में सहायता मिलेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

डिजिटलीकरण एवं साइबर सुरक्षा को प्राथमिकता

मंत्री ने बैंकिंग व्यवस्था में तेजी से हो रहे तकनीकी बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि सहकारी बैंकों में भी डिजिटलीकरण एवं साइबर सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं को सरल, पारदर्शी, सुरक्षित एवं ग्राहक-केंद्रित बनाया जाना चाहिए।

पीएसीएस एवं डीसीसीबी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों तक वित्तीय सेवाओं का विस्तार

बिहार राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष रमेश चन्द्र चौबे ने बताया कि वित्तीय सुदृढ़ता, ग्रामीण

विकास एवं वित्तीय समावेशन को प्राथमिकता देते हुए बैंकिंग व्यवस्था को अधिक सक्षम और आधुनिक बनाया जा रहा है। विगत वित्तीय वर्ष में बैंक ने अपनी परिसंपत्तियों की गुणवत्ता, ऋण वितरण प्रणाली तथा परिचालन दक्षता में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। अध्यक्ष ने बताया कि द्वारा प्राथमिक कृषि साख समितियों (पीएसीएस) एवं जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों (डीसीसीबी) के सहयोग से राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक समय पर एवं किफायती ऋण सुविधा पहुँचाने पर विशेष बल दिया जा रहा है। इसके माध्यम से किसानों, महिला उद्यमियों, दुग्ध उत्पादकों तथा सूक्ष्म उद्यमियों को वित्तीय सेवाओं से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बैंक की ओर से एनपीए नियंत्रण, वित्तीय अनुशासन एवं परिसंपत्तियों की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ नियामकीय प्रावधानों के अनुपालन को भी प्राथमिकता दी गई है। बैंक के प्रबंध निदेशक अरविंद कुमार पासवान ने बैंक की कार्यप्रणाली, वित्तीय प्रगति एवं तकनीकी आधुनिकीकरण से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने बैंक की भावी कार्ययोजना में डिजिटल बैंकिंग, तकनीकी नवाचार, वित्तीय समावेशन, ग्राहक सेवा में सुधार तथा सहकारी संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण को प्रमुख प्राथमिकताओं के रूप में रेखांकित किया। इस अवसर पर सहकारिता विभाग के सचिव धर्मेन्द्र सिंह, अपर निबंधक (साख), सहयोग समितियाँ मनोज कुमार सिंह, बिहार राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष रमेश चन्द्र चौबे, प्रबंध निदेशक अरविंद कुमार पासवान, बिस्कोमान के अध्यक्ष विशाल सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

एक नजर

भुवनेश्वर टाइगर्स ने केओंझर माइनर्स को सात रन से हराया, बारिश बनी मैच में बड़ी चुनौती

कटक,एजेंसी। भुवनेश्वर टाइगर्स ने सोमवार को बाराबती स्टेडियम में बारिश से प्रभावित भारत मसाला ओडिशा टी20 लीग-सीएम ट्रॉफी मुकाबले में केओंझर माइनर्स को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस) पद्धति से सात रन से हराया। गीले मैदान के कारण मुकाबले को पहले 15-15 ओवर का किया गया। भुवनेश्वर टाइगर्स ने इसके बाद सात ओवर में तीन विकेट पर 64 रन बनाए, लेकिन बारिश ने फिर खेल रोक दिया। इसके बाद केओंझर के लिए लक्ष्य को घटाकर चार ओवर में 48 रन कर दिया गया। भुवनेश्वर के कप्तान और सलामी बल्लेबाज स्वस्तिक सामल ने महज 18 गेंदों में 42 रन की आक्रामक पारी खेलकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने विपक्षी गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाया, हालांकि पारी को ज्यादा आगे नहीं ले जा सके। केओंझर की ओर से विमल कुमार सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने एक ओवर में आठ रन देकर दो विकेट लिए। जोगेश्वर बाग ने भी एक विकेट हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी केओंझर माइनर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। क्षमा एस. बाल छह गेंदों में तीन रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद राजेश धुपम और कप्तान सुभ्रांशु सेनापति ने 20 रन की साझेदारी कर टीम की उम्मीदें बनाए रखीं। सेनापति 9 गेंदों में 11 रन बनाकर आउट हुए।

अंतिम ओवर में केओंझर को जीत के लिए 18 रन चाहिए थे। भुवनेश्वर ने गेंद बाएं हाथ के स्पिनर बादल बिस्वाल को सौंपी। बिस्वाल ने दबाव के बीच संयम बनाए रखा और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उनके प्रभावी अंतिम ओवर के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। बिस्वाल को भारत मसाला के निदेशक श्रीमंत पांडा ने पुरस्कार प्रदान किया, जबकि स्वस्तिक सामल को 'मोमेंट ऑफ द मैच' का पुरस्कार राउरकेला सुपरस्टार्स के प्रतिनिधि लव मलिक ने दिया।

एशियाई खेल महिला कबड्डी में भारत का जीत से आगाज, बांग्लादेश को 42-21 से हराया

आइची-नगोया, जापान। मौजूदा चैंपियन भारतीय महिला कबड्डी टीम ने सोमवार को एशियाई खेल 2026 में अपने खिताब बचाओ अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। टोकेई सिटिजन्स जिम्नेजियम में सोमवार सुबह खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में भारत ने बांग्लादेश को 42-21 से हराया। भारत ने शुरुआत से ही मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा। टीम की ओर से संजू देवी ने आक्रमण में प्रभावी प्रदर्शन किया, जबकि भारतीय रक्षा ने बांग्लादेश की रेडरों को बोनस लाइन तक पहुंचने से लगातार रोका। बांग्लादेश की कप्तान श्राबोनी मोलिक ने अपनी टीम के लिए अंक जुटाए, लेकिन भारत की मजबूत रक्षापंक्ति ने उसके अवसर सीमित रखे। बाएं कवर पर मनीषा कुमारी ने शानदार प्रदर्शन किया, जबकि सोनाली शिंगाटे और कप्तान पुष्पा राणा ने भी आक्रमण में महत्वपूर्ण अंक जुटाए। भारत ने एक ऑलआउट हासिल करते हुए मध्यांतर तक 21-10 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में भी भारत ने वही आक्रामक तेवर बनाए रखे। संजू देवी और पूजा ने लगातार हैंड टच से अंक जुटाए, जबकि भारतीय रक्षा ने ऊंची लाइन बनाए रखते हुए बांग्लादेश की रेडरों पर दबाव बनाए रखा। भारत ने एक और ऑलआउट हासिल किया और संजू देवी सफल रेड के जरिए लगातार टीम के स्कोर में इजाफा करती रहीं। बांग्लादेश ने मुकाबले के अंतिम चरण में वापसी की कोशिश की। श्राबोनी और अन्य रेडरों ने लगातार अंक जुटाए और उसकी रक्षा ने भी भारत की रफ्तार को कुछ हद तक थामा। मुकाबले के अंतिम पांच मिनट में अंतर कम हुआ, लेकिन संजू देवी ने लगातार सफल रेड लगाकर भारत की बढ़त फिर मजबूत कर दी और टीम को 42-21 की आसान जीत दिलाई। भारत के 42 अंकों में 11 बोनस अंक और चार ऑलआउट अंक शामिल रहे, जबकि बांग्लादेश ने पांच बोनस अंक और एक सुपर टैकल अंक हासिल किया। इस जीत के साथ भारत ने खिताब बचाने के अभियान का शानदार आगाज किया। भारतीय महिला टीम का अगला मुकाबला 23 सितंबर को सुबह 8:30 बजे मजबूत ईरान के खिलाफ होगा।

एशियाई खेल कबड्डी: भारत ने जीत के साथ किया अभियान का आगाज, जापान को 49-24 से हराया

आइची-नगोया। मौजूदा चैंपियन भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने एशियाई खेल 2026 में अपने अभियान की जीत के साथ शुरुआत की। ग्रुप ए के पहले मुकाबले में भारत ने सोमवार को टोकेई सिटिजन्स जिम्नेजियम में जापान को 49-24 से हराया। एशियाई खेलों में पदार्पण कर रहे अयान लोचब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आशु मलिक के साथ मिलकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। भारत ने पहले हाफ की समाप्ति तक 31-9 की मजबूत बढ़त बना ली। एक अन्य पदार्पण कर रहे देवांक दलाल ने भी आक्रमण में प्रभावी प्रदर्शन किया और भारत ने पहले 20 मिनट में जापान पर लगातार दबाव बनाए रखा। दूसरे हाफ की शुरुआत असलम इनामदार ने सफल रेड के साथ की। इसके बाद भी भारत ने मुकाबले पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। जापान ने दूसरे हाफ में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 15 अंक हासिल किए, जबकि भारत ने 18 अंक जोड़े, लेकिन तब तक भारतीय टीम ने निर्णायक बढ़त बना ली थी। भारत ने 36 आउट अंक, आठ ऑलआउट अंक और दो सुपर टैकल अंक हासिल किए, जबकि जापान के खाते में नौ बोनस अंक रहे। भारत का अगला मुकाबला मंगलवार को ग्रुप ए में दक्षिण कोरिया से होगा।

एशियाई खेल: श्रीलंका के खिलाफ स्वर्ण पदक मुकाबले में स्मृति, शेफाली और हरमनप्रीत पर रहेंगी नजरें

आइची-नगोया,एजेंसी। एशियाई खेल-2026 के महिला क्रिकेट के स्वर्ण पदक मुकाबले में मंगलवार को भारत का सामना श्रीलंका से होगा। लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश में भारतीय टीम के लिए स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा और कप्तान हरमनप्रीत कौर की बल्लेबाजी अहम भूमिका निभाएगी। दोनों टीमें कुछ ही दिन पहले एशिया कप के फाइनल में भी आमने-सामने हुई थीं। शेफाली वर्मा मौजूदा समय में शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में अपना पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया। उन्होंने 49 गेंदों पर नाबाद 100 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और नौ छक्के शामिल थे। इसके साथ ही शेफाली महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 छक्के पूरे करने वाली दूसरी भारतीय बनीं। उनके नाम अब 104 छक्के हैं, जो किसी भारतीय बल्लेबाज के सर्वाधिक छक्के हैं।

अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट को मिलाकर टी20 नॉकआउट मुकाबलों में शेफाली ने 12 मैचों की 12 पारियों में 35.40 की औसत और 159.45 के स्ट्राइक रेट से 354 रन बनाए हैं। उनके नाम एक शतक और एक अर्धशतक है, जबकि उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 100 रन है। स्मृति मंधाना ने भी टी-20 नॉकआउट मुकाबलों में प्रभावी प्रदर्शन किया है। उन्होंने 13 पारियों में 25.30 की औसत और 132.12 के स्ट्राइक रेट से 329 रन बनाए हैं। उनके नाम एक अर्धशतक है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन इस साल महिला प्रीमियर लीग के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए बनाया गया 87 रन है। कप्तान हरमनप्रीत कौर का नॉकआउट मुकाबलों में रिकॉर्ड तीनों बल्लेबाजों में सबसे अधिक निरंतर रहा है। उन्होंने

12 मैचों में 324 रन बनाए हैं। उनके नाम दो अर्धशतक हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 66 रन है, जो उन्होंने 2025 महिला प्रीमियर लीग के फाइनल में मुंबई इंडियंस की ओर से दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बनाया था।

भारत की टीम: स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, गुणालन कमालिनी, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, श्रेयंका पाटिल, श्री चरणी, नंदनी शर्मा, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, राधा यादव।

श्रीलंका की टीम: इमेशा दुलानी, चमारी अटापट्टू (कप्तान), हसिनी परेरा, हरशिता समरविक्रमा, कविशा दिलहारी, हंसिमा करुणारत्ने, कौशानी नुथ्यांगना (विकेटकीपर), मिताली अयोध्या, काव्या कविंदी, चामुडी प्रबोधा, सुगंधिका कुमारी, रश्मिका सेव्वंडी, निमाशा मीपेज, संजना कविंदी, अनुष्का संजीवनी।

जहीर खान बने चेन्नई सुपर किंग्स के नए मुख्य कोच, आईपीएल 2027 से संभालेंगे जिम्मेदारी

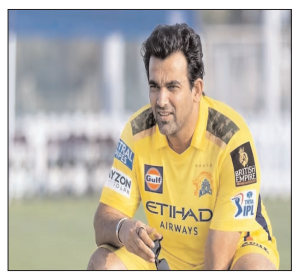

चेन्नई। पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने सोमवार को पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान को आईपीएल 2027 के लिए अपना नया मुख्य कोच नियुक्त किया। जहीर अब स्टीफन फ्लेमिंग की जगह लेंगे, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में टीम के लगातार तीसरे सत्र में प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाने के बाद पद छोड़ दिया था। फ्लेमिंग के जाने के साथ सीएसके के साथ उनका करीब 18 साल लंबा जुड़ाव भी समाप्त हो गया। इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड की पुरुष टेस्ट टीम के मुख्य कोच का पद संभाला।

जहीर ने नियुक्ति के बाद कहा कि आईपीएल की सबसे सफल टीमों में से एक का हिस्सा बनना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में टीम के प्रशंसकों के माहौल को भी खास बताया और कहा कि वह इस ऐतिहासिक फ्रेंचाइजी से जुड़ने को लेकर उत्साहित हैं। भारत के लिए 14 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में जहीर ने 92 टेस्ट, 200 वनडे और 17 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले तथा तीनों प्रारूपों में कुल 610 विकेट लिए। आईपीएल में उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व किया और 100 मैचों में 102 विकेट हासिल किए। जहीर 2011 में भारत के वनडे विश्व कप जीतने वाले अभियान के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल थे। संन्यास के बाद उन्होंने मुंबई इंडियंस में क्रिकेट संचालन निदेशक और ग्लोबल डेवलपमेंट प्रमुख के तौर पर काम किया। इसके बाद आईपीएल 2025 में वह लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर भी रहे। सीएसके की ओर से कहा गया कि जहीर का लंबा खेल अनुभव और युवा खिलाड़ियों को तैयार करने की क्षमता टीम के लिए उपयोगी होगी। प्रबंधन के मुताबिक, उनकी नियुक्ति को लेकर फ्लेमिंग के जाने के बाद कई संभावित उम्मीदवारों के साथ बातचीत की गई थी। सीएसके के प्रबंध निदेशक केएस विश्वनाथन ने जहीर को भारतीय क्रिकेट की बेहतरीन क्रिकेटिंग समझ रखने वाला खिलाड़ी बताते हुए कहा कि टीम उनके अनुभव का लाभ उठाने को उत्सुक है।

एशियाई खेल: भारतीय महिला हॉकी टीम ने इंडोनेशिया को 17-1 से रौंदा

गिफू। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियाई खेल 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पूल बी के मुकाबले में इंडोनेशिया को 17-1 से करारी शिकस्त दी। गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में सोमवार को खेले गए मुकाबले में भारत की ओर से दीपिका, रुतुजा पिसाल और नवनीत कौर ने हैट्रिक लगाई। भारत की ओर से सुनेलिता टोप्पो, लालरेमसियामी और साक्षी राणा ने दो-दो गोल किए, जबकि इशिका और कप्तान सलीमा टेटे ने भी गोल दागे। इससे पहले भारत ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से हराया था। मुख्य कोच सजोर्ड मारिजने की टीम लगातार दो जीत के साथ अजेय बनी हुई है। भारत का अगला मुकाबला बुधवार को थाईलैंड से होगा।

भारत को शुरुआती क्वार्टर में लय हासिल करने में थोड़ा समय लगा। टीम ने लगातार चार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए और दीपिका ने आठवें मिनट में चौथे प्रयास पर गोल कर भारत का खाता खोला। इसके बाद भारत ने चार मिनट के भीतर तीन और गोल दागकर पहले क्वार्टर की समाप्ति तक 4-0 की बढ़त हासिल कर ली। दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा जारी रहा और लालरेमसियामी ने अपना दूसरा गोल करते हुए टीम की बढ़त को और मजबूत किया। मध्यांतर तक भारत 9-0 से आगे था। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में खेल की धारा के विपरीत इंडोनेशिया ने अपना एकमात्र गोल किया। इनेस अडितिया ने भारतीय गोलकीपर बिचु देवी को छकाते हुए नजदीकी पोस्ट से गेंद को गोल में पहुंचाया। चौथे क्वार्टर में नवनीत कौर ने दमदार बैकहैंड शॉट के जरिए गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत ने 17-1 की बड़ी जीत के साथ मुकाबला समाप्त किया। दो मैचों में छह अंकों के साथ भारत पूल बी में शीर्ष पर है। टीम का गोल अंतर भी 35 का है। हालांकि, ग्रुप चरण में भारत के सामने अब अपेक्षाकृत कड़ी चुनौतियां होंगी।

राष्ट्रीय बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता शुरू, पहले दिन विदेशी टीमों को मिली करारी शिकस्त

डेहरी-आन-सोन। रोहतास जिले के जमुहार स्थित गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय परिसर में नारायण वर्ल्ड स्कूल के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर की बालिका बास्केटबॉल प्रतियोगिता- 2026 का शुभारंभ सोमवार से हुआ। पहले ही दिन मुकाबलों में बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जहां विदेशी टीमों को भारतीय टीमों के हाथों हार का सामना करना पड़ा। पहले सत्र में 14 वर्ष बालिका वर्ग में श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल, बोकारो ने डीएवी पब्लिक स्कूल, लुधियाना को 46-20 के बड़े अंतर से हराया। दूसरे मुकाबले में राजा गिरी पब्लिक स्कूल, एर्नाकुलम ने अल खोर इंटरनेशनल स्कूल, कतर को 20-06 से पराजित किया।

ग्रुप-डी में विद्या निकेतन पब्लिक स्कूल, उल्लाल बेंगलुरु ने इंडियन स्कूल मस्कट, ओमान को 21-10 से हराया। एक अन्य रोमांचक मुकाबले में मदर टेरेसा मॉडर्न पब्लिक स्कूल, कुरुक ने विद्याज्ञान स्कूल को 19-16 से मात दी।ग्रुप-सी में सनफ्लावर वैदिक स्कूल ने पतंजलि ऋषिकुल, तेलारगंज प्रयाग को 23-08 से पराजित किया। 17 वर्ष बालिका वर्ग के ग्रुप-सी के दो मैच भी आज संपन्न हुए,जिसमें डीपीएस राजनंदगांव, छत्तीसगढ़ की टीम को सीक्रेट हार्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चंडीगढ़ ने 37-30 से हराया, जबकि राजगीरी पब्लिक स्कूल, कतर की टीम को पतंजलि ऋषिकुल तेलियागंज प्रयाग ने 23-09 से शिकस्त दी।इसी प्रकार पुल डी के मैच में राजा गिरी पब्लिक स्कूल, एर्नाकुलम ने विद्यालय ,केरल को 38-11 से मात दिया जबकि डॉक्टर कलमाड़ी शामराव उच्च विद्यालय, पुणे ने दिल्ली प्राइवेट स्कूल ,शारजाह को 38- 16 से

पराजित किया।19 वर्षीय बालिका वर्ग के मैच में ग्रुप ए में आज हुए मुकाबला के दौरान गीतांजलि सीनियर सेकेंडरी स्कूल बारवंशी, सोनीपत को आईटीएम ग्लोबल स्कूल, ग्वालियर में 71- 23 के भारी अंतर से हराया, जबकि अपेक्स पब्लिक स्कूल बुरारी ,दिल्ली की टीम ने मेरठ पब्लिक स्कूल, मेरठ को 50-38 से मात दिया ।इसी प्रकार ग्रुप डी के मैच में दारातास्सलाम इंटरनेशनल डीपीएस स्कूल, रियाद की टीम को पूर्वांचल विद्या निकेतन ,कानपुर ने 30-10 के भारी अंतर से हराया। ग्रुप डी के एक अन्य मैच में आरएमएस उच्च विद्यालय खुटाडीह, जमशेदपुर की टीम को संत अतुलानंद रेजिडेंशियल अकैडमी, वाराणसी ने 26- 12 से पराजित किया।आज खेले गए इन सारे मैचों के बाद टीमों का उत्साह देखते ही बन रहा है तथा उनके साथ आए उनके कोच एवं उनके सहयोगी अपनी टीम को अच्छे प्रदर्शन के लिए जोरदार तैयारी में लग गए हैं।

विश्व क्रिकेट के दिग्गज विराट और रोहित के खिलाफ खेलना हमेशा खास : जेसन होल्डर

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 27 सितंबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप-2027 की तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण होगी। इसी श्रृंखला से भारत के घरेलू सत्र की भी शुरुआत होगी। श्रृंखला से पहले वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने जियोस्टार से बातचीत में भारतीय कप्तान शुभमन गिल, विराट कोहली, रोहित शर्मा और तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को लेकर अपनी राय साझा की।

शुभमन गिल के नेतृत्व में खेलने के अनुभव पर होल्डर ने कहा, 'मैंने शुभमन के नेतृत्व में खेला है। वह एक लीडर हैं। वह बहुत ज्यादा बोलने वाले व्यक्ति नहीं हैं, लेकिन जब बोलते हैं तो उनकी बात बिल्कुल स्पष्ट होती है और वह टीम से क्या चाहते हैं, इसे पूरी तरह अधिकार के साथ बताते हैं। वह एक तरह की शांति और संतुलन लेकर आते हैं, जो एक कप्तान के लिए अच्छा गुण है। मैं उनके इन गुणों का बहुत सम्मान करता हूं और जब मैंने उनके नेतृत्व में खेला तो मुझे यह बहुत पसंद आया। उन्होंने कहा, 'वह कप्तान के रूप में अभी अपने कार्यकाल की शुरुआत में हैं और निश्चित रूप से मैदान पर सीख रहे हैं। वह अपने खिलाड़ियों से काफी उम्मीदें रखेंगे। उनके वरिष्ठ खिलाड़ियों को उनके पास आकर उनकी मदद करनी होगी। हमारे साथ भी कुछ ऐसा ही है, जहां शाई कुछ समय से इस भूमिका में हैं, लेकिन वह भी लगातार सीख रहे हैं। एक नेता और खिलाड़ी

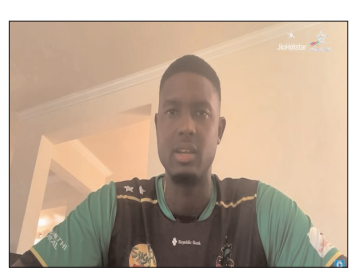

के रूप में सीखने की प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती। आप हमेशा बेहतर बनने के लिए ज्यादा से ज्यादा जानकारी हासिल करने की कोशिश करते हैं। शुभमन भी इससे अलग नहीं हैं। मैं उन्हें देखने और उनके खिलाफ खेलने के लिए उत्सुक हूं और दोनों टीमों के बीच अच्छा मुकाबला होने की उम्मीद है। यह पूछे जाने पर कि क्या शुभमन गेंदबाजों के कप्तान हैं, होल्डर ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि गेंदबाजों के कप्तान और बल्लेबाजों के कप्तान में कैसे अंतर किया जाए, लेकिन मैं कह सकता हूं कि वह गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों के साथ समान रूप से सहज और सहयोगी हैं। मैं उन्हें बताता था कि मैं क्या चाहता हूं और हम उस पर बातचीत करते थे। खासकर क्षेत्ररक्षण सजाने के मामले में उन्होंने मुझे अपनी तरह से क्षेत्ररक्षण करने और अपनी योजनाओं को लागू करने की पूरी स्वतंत्रता दी। एक कप्तान के लिए यह मजबूत गुण है। उन्होंने कहा, 'मुझे शुभमन के साथ कभी कोई समस्या नहीं हुई। उन्होंने मुझे अपनी फील्ड सेट करने और अपनी योजनाओं को लागू करने की पूरी आजादी दी। हमारे बीच हमेशा खुला संवाद और आपसी समझ रही। मुझे उनके साथ खेलना बहुत पसंद आया और उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भी हम साथ खेलते रहेंगे। विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर होल्डर ने कहा, 'जब आप विराट को देखते हैं तो वह संभवत: इस खेल के अब तक के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक और सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज हैं। वह खेल के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में भी शामिल हैं। रोहित की बात करें तो उनका एकदिवसीय रिकॉर्ड शानदार है, खासकर वेस्टइंडीज के खिलाफ उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

इसलिए भारतीय क्रिकेट और विश्व क्रिकेट के ये दोनों दिग्गज बहुत बड़ा प्रभाव रखते हैं। होल्डर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हमारे पास उनकी तुलना में कुछ है। हमारे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और महानतम खिलाड़ी शाई होप हैं, जिन्होंने अपने लिए शानदार प्रदर्शन किया है। मैं उन्हें भी उसी श्रेणी में रखूंगा। ये तीनों विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं और इनके रिकॉर्ड भी विश्व स्तरीय हैं। मैं तीनों को एक-दूसरे के खिलाफ खेलते देखने के लिए उत्सुक हूं। जब भी मेरा सामना विराट से होता है तो मुकाबला खास होता है। मुझे रोहित के खिलाफ खेलना भी पसंद है, क्योंकि मैं उन्हें बड़े खिलाड़ी के रूप में देखता हूं और बड़े खिलाड़ियों के खिलाफ चुनौती लेना पसंद करता हूं। गुजरात टाइटंस में गुरनूर बरार को करीब से देखने के अनुभव पर होल्डर ने कहा, 'उसमें कई शानदार खूबियां हैं।

एशियाई खेल बैडमिंटन: लक्ष्य, आयुष और श्रीकांत ने दिलाई भारत को बांग्लादेश पर 3-0 की जीत

आइची-नगोया। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने एशियाई खेल-2026 में शानदार शुरुआत करते हुए बांग्लादेश को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। सोमवार को पुरुष टीम स्पर्धा में लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और किदांबी श्रीकांत ने अपने-अपने एकल मुकाबले जीतकर भारत को आसान जीत दिलाई। लक्ष्य सेन ने भारत को शानदार शुरुआत दिलाते हुए पहले मुकाबले में अयमान इब्न जमान को 21-4, 21-12 से हराया। लक्ष्य ने पूरे मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई।

इसके बाद आयुष शेट्टी ने गौरब सिंघा को 21-4, 21-13 से हराकर भारत की बढ़त 2-0 कर दी। भारत को मुकाबला जीतने के लिए केवल एक और जीत की जरूरत थी और अनुभवी किदांबी श्रीकांत ने अल अमीन जुमर के खिलाफ 21-15, 21-9 से सीधे गेम में जीत दर्ज कर भारत को 3-0 की निर्णायक बढ़त दिला दी। भारत की तीनों एकल मुकाबलों में जीत के बाद युगल मुकाबले कराने की जरूरत नहीं पड़ी। इस जीत के साथ भारतीय टीम पुरुष टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। अगले दौर में भारत का सामना जापान से होने की संभावना है। एशियाई खेलों में सोमवार का दिन भारत के लिए निशानेबाजी, मिश्रित मार्शल आर्ट, हॉकी, बैडमिंटन, कबड्डी, मुक्केबाजी और टेबल टेनिस में सफलताओं से भरा रहा। निशानेबाजी में हिमांशु ढिल्लों ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत और रुद्रांक्ष पाटिल ने कांस्य पदक जीता। दोनों ने पार्थ माने के साथ मिलकर टीम स्पर्धा में भी रजत पदक हासिल किया था। क्वालिफिकेशन में रुद्रांक्ष तीसरे, हिमांशु सातवें और पार्थ 11वें स्थान पर रहे थे। मिश्रित मार्शल आर्ट में सुचिका तारियाल ने महिला पारंपरिक 60 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता। उन्हें सेमीफाइनल में सिंगापुर की तेओ हुई हून के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला हॉकी टीम ने पूल बी में इंडोनेशिया को 17-1 से हराया, जबकि पुरुष कबड्डी टीम ने ग्रुप ए में जापान को 49-23 से शिकस्त दी। मुक्केबाजी में सुमित ने पुरुष 70 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 32 में बुनजोंग सिंसिरी को हराकर अगले दौर में जगह बनाई। भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ने ग्रुप एफ में पाकिस्तान को 3-0 से हराया। तैराकी में श्रीहरि नटराज पुरुषों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक के फाइनल में आखिरी स्थान पर रहे। श्रीहरि चीन के शू जियायू (जिन्होंने गोल्ड जीता) और वांग ज़िचेंग (जिन्होंने सिल्वर जीता) का मुक़ाबला नहीं कर पाए। भारतीय खिलाड़ी 25.52 के समय के साथ 10वें और आखिरी स्थान पर रहे। मणि आकाश और गितेश शाह पुरुषों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल के फाइनल में जगह नहीं बना सके, जबकि धनुष सुरेश पुरुषों की 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक के फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। सॉफ्ट टेनिस में आध्या तिवारी और जय मीना ने मिश्रित युगल में कंबोडिया की वीवा चाओ-चानरोसेका खुन को 5-0 से हराया और मंगोलिया की बुद न्यामदोरज-एंखखुसलेन गनबातर जोड़ी के खिलाफ भी जीत दर्ज की।

एक नजर

इमरान की बहनों की हिरासत के खिलाफ अदालत पहुंचा परिवार, तत्काल रिहाई की मांग

इस्लामाबाद/लाहौर,एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान की तीन बहनों की 30 दिन की हिरासत को सोमवार को लाहौर हाई कोर्ट में चुनौती दी गई। अलीमा खान के बेटे शहरेज खान ने अपनी मां और उनकी दो बहनों उजमा खान तथा नूरीन नियाजी की हिरासत के खिलाफ याचिका दायर कर आदेश रद्द करने और तीनों की तत्काल रिहाई की मांग की। लाहौर के डिप्टी कमिश्नर ने अलीमा, उजमा और नूरीन को पंजाब मेंटेनेंस ऑफ पब्लिक ऑर्डर (एमपीओ) ऑर्डिनेंस की धारा-3 के तहत 30 दिनों के लिए हिरासत में रखने के आदेश जारी किए हैं। उजमा और नूरीन की हिरासत सोमवार को हुई, जबकि अलीमा को एक दिन पहले हिरासत में लिया गया था। तीनों को लाहौर की कोट लखपत जेल भेजे जाने की जानकारी सामने आई है। याचिका में शहरेज खान ने आरोप लगाया कि 20 सितंबर को जारी अलीमा की हिरासत का आदेश गैरकानूनी है। याचिका के अनुसार, अलीमा को निजी काम से जाते समय उनके ड्राइवर मुहम्मद आमिर के साथ हिरासत में लिया गया और उस समय कोई ऐसा सार्वजनिक जमावड़ा या स्थिति नहीं थी, जिससे कानून-व्यवस्था के लिए खतरा पैदा होता। याचिका में यह भी दावा किया गया है कि हिरासत आदेश में अलीमा की ऐसी किसी विशिष्ट गतिविधि का उल्लेख नहीं किया गया है, जिसके आधार पर निवारक हिरासत को उचित ठहराया जा सके। शहरेज ने अदालत से हिरासत आदेशों को निरस्त करने और तीनों महिलाओं को तत्काल रिहा करने का अनुरोध किया है। इमरान खान के बेटे कासिम खान ने भी अपनी बुआ उजमा और नूरीन की हिरासत पर आपत्ति जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर दावा किया कि परिवार के कुछ अन्य सदस्यों को भी हिरासत में लिया गया।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान में हवाई हमला, 28 आतंकियों को मारने का दावा

काबुल/इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने सोमवार को अफगानिस्तान के पूर्वी हिस्से में हवाई हमले कर 28 आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय के अनुसार, कार्रवाई में आतंकवादी ठिकानों और आत्मघाती हमलावरों के प्रशिक्षण केंद्रों को निशाना बनाया गया। दूसरी ओर, अफगानिस्तान के तालिबान प्रशासन ने दावा किया कि हमलों में तीन नागरिक मारे गए और चार घायल हुए। पाकिस्तानी अधिकारियों के अनुसार, हवाई हमले अफगानिस्तान के कुनार और पक्तिका प्रांतों में किए गए। यह कार्रवाई हाल में खैबर पख्तूनख्वा में हुए आतंकवादी हमलों के जवाब में की गई। पाकिस्तानी सूचना मंत्रालय ने कहा कि तीन ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिनमें आत्मघाती हमलावरों का प्रशिक्षण केंद्र भी शामिल था। इन ठिकानों पर बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी नष्ट किया गया। उधर, तालिबान सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने कहा कि कुनार के नूरगल जिले में एक मकान पर हमला हुआ, जिसमें एक ही परिवार के तीन सदस्य मारे गए और चार अन्य घायल हुए। उनके अनुसार, पक्तिका के बरमल जिले में दो स्थानों पर बमबारी की गई, जिससे एक दुकान और एक खाली मकान क्षतिग्रस्त हुआ। वहां किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि अफगानिस्तान इस कार्रवाई का 'उचित जवाब' देगा।

नेपाल प्रतिनिधि सभा से राष्ट्रीय सेवा दल विधेयक सर्वसम्मति से पारित

काठमांडू। नेपाल की प्रतिनिधि सभा ने राष्ट्रीय सेवा दल विधेयक को सर्वसम्मति से पारित कर दिया है। सोमवार को सदन की बैठक में कानून, न्याय तथा संसदीय मामलों की मंत्री सोविता गौतम ने विधेयक को पारित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। इससे पहले विधेयक पर राज्य व्यवस्था तथा सुशासन समिति की रिपोर्ट के आधार पर चर्चा हुई। चर्चा के दौरान उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए मंत्री गौतम ने कहा कि विधेयक में बच्चों के अधिकार और हित को प्राथमिकता दी गई है। मंत्री गौतम ने स्पष्ट किया कि नेपाल सरकार को आवश्यकता महसूस होने पर राष्ट्रीय जरूरत के आधार पर किसी भी नेपाली नागरिक या संस्था को राष्ट्रीय सेवा दल के माध्यम से प्रशिक्षण देने और उन्हें राष्ट्र सेवा में तैनात करने की व्यवस्था विधेयक में की गई है। उन्होंने कहा कि विधेयक का मूल उद्देश्य बच्चों के अधिकारों को सर्वोपरि रखते हुए सभी गतिविधियों को संचालित करना है। उन्होंने कहा कि संविधान से बाहर जाकर कोई कानून नहीं बनाया जा सकता। राष्ट्रीय सेवा दल से संबंधित यह विधेयक भी बच्चों के हित को केंद्र में रखकर बनाया गया है। मंत्री के अनुसार सेवा दल में प्रशिक्षण लेने वाले बच्चों की मानसिक और शारीरिक क्षमता को भी ध्यान में रखा जाएगा और प्रशिक्षण के लिए निर्धारित मापदंडों का पालन करना होगा। विधेयक में विद्यार्थियों को उनके संबंधित विद्यालयों तथा राष्ट्रीय सेवा दल के शिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण देने का प्रावधान किया गया है। प्रशिक्षण पूरा करने वाले विद्यार्थियों को सार्वजनिक सेवा, बुनियादी ढांचे के विकास, आपदा प्रबंधन, महामारी नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में स्वयंसेवकों के रूप में परिचालन किया जा सकेगा।

नेपाल के तीन प्रमुख राजमार्गों के विस्तार और सुधार के लिए एडीबी देगा करीब 47 अरब रुपये

काठमांडू,एजेंसी। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) नेपाल के तीन प्रमुख राजमार्गों के विस्तार और सुधार के लिए करीब 47 अरब नेपाली रुपये उपलब्ध कराने जा रहा है। इनमें दो राजमार्गों का विस्तार और एक राजमार्ग में सड़क सुरक्षा सुधार का काम किया जाएगा। सड़क विभाग के अनुसार, एडीबी इस परियोजना के लिए कुल 30.50 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 46 अरब 70 करोड़ नेपाली रुपये) उपलब्ध कराएगा। इसमें 28.50 करोड़ डॉलर ऋण और 2 करोड़ डॉलर अनुदान के रूप में होंगे।

यह राशि पूर्व-पश्चिम राजमार्ग के नारायणगढ़-हेटौंडा खंड, पृथ्वी राजमार्ग के मुग्लिन-आबुखैरेनी खंड के विस्तार तथा कर्णाली राजमार्ग की सड़क सुरक्षा और सुधार के लिए खर्च की जाएगी। कुल राशि में से 24.50 करोड़ डॉलर नारायणगढ़-हेटौंडा सड़क खंड, 3 करोड़ डॉलर मुग्लिन-आबुखैरेनी खंड के विस्तार और 1 करोड़ डॉलर कर्णाली राजमार्ग के सुधार के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे। सड़क विभाग परियोजना निदेशालय के परियोजना निदेशक चुड़ाराज ढकाल के अनुसार, ऋण और अनुदान को लेकर नेपाल सरकार और एडीबी के बीच बातचीत पूरी हो चुकी है। अर्थ मंत्रालय और एडीबी के बीच ऋण समझौता आगामी नवंबर में होने की योजना है। एडीबी की सहूलियतपूर्ण ऋण सहायता से संचालित होने वाली परियोजनाओं में 70 किलोमीटर लंबे नारायणगढ़-हेटौंडा सड़क खंड के विस्तार के लिए टेंडर पहले ही जारी किया जा चुका है। हेटौंडा के रासी पुल से चितवन के भरतपुर स्थित गोन्द्राङ तक के इस मार्ग को तीन पैकेज में बांटा गया है। पहले पैकेज में मकवानपुर जिले के भीतर का 40 किलोमीटर, दूसरे में मकवानपुर सीमा से चितवन के टिकौली तक का 26 किलोमीटर और तीसरे में टिकौली से गोन्द्राङ तक का 4 किलोमीटर सड़क खंड शामिल है। एशियाई हाईवे मानकों के अनुसार इस सड़क को चार लेन में विस्तार किया जाएगा। टिकौली जंगल क्षेत्र में करीब 2 किलोमीटर लंबा वायाडक्ट बनाया जाएगा। टिकौली जंगल बरंडाभार कॉरिडोर का हिस्सा है। यह क्षेत्र दक्षिण की चुरे पर्वत श्रृंखला और उत्तर की महाभारत पर्वत श्रृंखला को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण जैविक गलियारा है। यह चितवन राष्ट्रीय उद्यान के साथ जुड़ते हुए भारत के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व तक वन्यजीवों की आवाजाही का मार्ग बनाए रखता है। तेज रफ्तार वाहनों के कारण सड़क पार करते समय वन्यजीवों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा रहता है। इसी को ध्यान में रखते हुए यहां वायाडक्ट बनाने का प्रस्ताव है। इसके ऊपर से वाहन गुजरेंगे, जबकि वन्यजीव इसके नीचे से बिना बाधा सड़क पार कर सकेंगे। 2 किलोमीटर लंबे वायाडक्ट में 67 पिलर बनाए जाने की योजना है। प्रत्येक पिलर के बीच करीब 30 मीटर की दूरी होगी, जिससे वन्यजीवों को आसानी से गुजरने की जगह मिल सकेगी। इसी वायाडक्ट के निर्माण के लिए एडीबी 2 करोड़ डॉलर का अनुदान देगा। एडीबी से मिलने वाले 1 करोड़ डॉलर के ऋण का इस्तेमाल कर्णाली राजमार्ग में सड़क सुरक्षा सुधार के लिए किया जाएगा। करीब 682 किलोमीटर लंबा कर्णाली राजमार्ग नेपाल के सबसे दुर्गम भौगोलिक क्षेत्रों से होकर गुजरता है और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण इसे जोखिमपूर्ण राजमार्ग भी माना जाता है। सड़क विभाग के अनुसार, एडीबी के ऋण और नेपाल सरकार की ओर से उपलब्ध कराए जाने वाले ऋण की 20 प्रतिशत राशि से कर्णाली राजमार्ग के करीब 73 किलोमीटर हिस्से में सड़क सुरक्षा सुधार, सड़क चौड़ीकरण, मोड़ सुधार, बैरियर निर्माण, नाली तथा अन्य आवश्यक निर्माण कार्य किए जाएंगे।

बांग्लादेश में सिलेंडर फटे, गारमेंट फैक्टरी में लगी आग, छह की मौत, 20 झुलसे

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका उप नगरीय क्षेत्र अशुलिया के जमगोरा इंडस्ट्रियल इलाके में रविवार शाम कवर्ड वैन में एलपीजी सिलेंडर फटने से छह लोगों की मौत हो गई और कम से कम 20 लोग घायल हो गए। धमाके इतनी तेज हुए कि एक सिलेंडर तो करीब 200 गज दूर जा गिरा, जिससे सड़क किनारे एक दुकान के अंदर मौजूद महिला की मौत हो गई। इन धमाकों से एक गारमेंट फैक्टरी आग की लपटों से घिर गई। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, धमाकों के कारण लगी आग ने शाम करीब 6:45 बजे जमगोरा में मौजूद पांच -छह गाड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। अशुलिया पुलिस ने रविवार देररात बताया कि आग बुझाने के बाद आसपास खोजबीन की गई। इस दौरान रात करीब सवा 11 बजे कवर्ड वैन के अंदर पांच लोगों के शव मिले। उनकी पहचान तुरंत नहीं हो सकी। एक मृतक की 55 वर्षीय जैनब के रूप में हुई। वह गाजीपुर के काशिमपुर निवासी मोहम्मद अली की पत्नी थीं। जैनब अपनी बेटी संजीदा अख्तर से मिलने आई थीं। संजीदा घटनास्थल से करीब 200 गज दूर एक टेलर की दुकान में काम करती हैं। वह दुकान के अंदर खड़ी थीं, तभी एक सिलेंडर टिन की छत फाड़कर उनके सिर पर लगा, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर मौजूद अधिकारियों के अनुसार, यह घटना जमगोरा में प्रिटी ग्रुप से जुड़े एक इंडस्ट्रियल इलाके में हुई। डीईपीजेड फायर सर्विस के वेयर हाउस इंस्पेक्टर सोमेन बरुआ ने बताया कि आग तब लगी जब फैक्टरी में इस्तेमाल के लिए लाए गए सिलेंडर एक कवर्ड वैन से उतारे जा रहे थे।

अशुलिया महिला और बाल अस्पताल प्रबंध हारून-उर-रशीद ने बताया कि 26 लोगों को अस्पताल लाया गया। उन्होंने कहा कि इनमें से ज्यादातर लोग फैक्टरी के आसपास के सब्जी विक्रेता और पैदल चलने वाले थे। गंभीर रूप से झुलसे दो लोगों को बेहतर इलाज के लिए ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया।

नेपाल-चीन सीमा पर पांच हिमतालों का होगा तकनीकी अध्ययन, प्राकृतिक आपदा के खतरे को कम करने पर बनी सहमति

काठमांडू। नेपाल-चीन सीमा क्षेत्र में स्थित संभावित खतरनाक हिमतालों से होने वाले जोखिम को कम करने के लिए चीन के भू-भाग में मौजूद पांच हिमतालों का तकनीकी अध्ययन कराने पर दोनों देशों के स्थानीय अधिकारियों के बीच सहमति बनी है।

चीन के ताक्लाकोट में हाल ही में हुई बैठक में हिमतालों से नेपाल की ओर उत्पन्न होने वाले संभावित खतरे, सीमा प्रबंधन, व्यापार और बुनियादी ढांचे समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। हुम्ला के प्रमुख जिला अधिकारी भोला नाथ गुरागाईं के अनुसार, दोनों पक्षों ने चीनी हिमालयी क्षेत्र में स्थित हिमतालों की स्थिति का तकनीकी टीम के माध्यम से अध्ययन कराने के लिए अपने-अपने संघीय सरकारों के समक्ष पहल करने पर सहमति जताई। उन्होंने बताया कि संभावित हिमताल विस्फोट (जीएलओएफ) या अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण हुम्ला के हिल्सा, किट सीमा क्षेत्रों में नुकसान हो सकता है। इसलिए हिमतालों की स्थिति, उनमें मौजूद पानी की मात्रा, संभावित खतरे और उससे होने वाले प्रभाव का तकनीकी अध्ययन जरूरी है। रसुवा में भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ से भारी नुकसान के बाद चीन की ओर से भी हिमतालों और प्राकृतिक आपदा के जोखिम को लेकर चिंता जताई गई और इसी सिलसिले में यह बैठक आयोजित की गई। ताक्लाकोट के स्थानीय अधिकारियों की पहल पर हुई बैठक में नेपाल की ओर से चीनी भू-भाग में स्थित राक्षस ताल, मानसरोवर, गोंजुका, आबुका और सिरिमाल समेत विभिन्न झीलों के बारे में जानकारी साझा की गई। प्रमुख जिला अधिकारी गुरागाईं के अनुसार, हिमतालों की स्थिति की नियमित जानकारी हासिल करने के लिए सैटेलाइट तकनीक के इस्तेमाल पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा हिमपात और मौसम संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान तथा खतरे की स्थिति में समय रहते एक-दूसरे को जानकारी देने के लिए प्रणाली विकसित करने की जरूरत पर भी सहमति बनी। बैठक में नेपाल ने सीमा स्तंभों की स्थिति, सीमा पास, कृषि एवं पशु उत्पादों के निर्यात, व्यापार मेले, हिल्सा स्थित मितेरी पुल के संचालन और हिल्सा-सिमकोट सड़क निर्माण जैसे मुद्दे भी उठाए। नेपाल की ओर से तीन सीमा स्तंभों की मरम्मत का मुद्दा भी चीन के समक्ष रखा गया।

बांग्लादेश में 11 दिन के अंतराल में डॉक्टर बेटे और पिता की मौत, दहशत में अल्पसंख्यक हिंदू

ढाका,एजेंसी। बांग्लादेश में महज 11 दिनों के अंतराल में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय से जुड़े एक युवा चिकित्सक और उसके पिता की असामान्य मौत की घटनाओं ने चिंता और भय का माहौल पैदा कर दिया है। सात सितंबर को सिलहट स्थित किराये के मकान से ब्राह्मणबाड़िया मेडिकल कॉलेज के 31 वर्षीय चिकित्सक पद्मजीत चक्रवर्ती प्रांत का फंदे से लटका शव बरामद हुआ था। इसके 11 दिन बाद मौलवीबाजार में उनके पिता पूर्णेंदु चक्रवर्ती का शव उनके पारिवारिक व्यावसायिक प्रतिष्ठान के ऊपरी कमरे से बरामद किया गया।

पूर्णेंदु चक्रवर्ती का शव मौलवीबाजार शहर के एम. सैफुर रहमान रोड स्थित 'भटेर फार्मेसी' की दूसरी मंजिल के एक कमरे से बरामद हुआ। मौलवीबाजार मॉडल थाने के उपनिरीक्षक मनोज कुमार सरकार ने बताया कि मौत के सटीक कारण की अभी पुष्टि नहीं हुई है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। इससे पहले सात सितंबर को सिलहट शहर के मिर्जाजंगल इलाके में स्थित किराये के मकान से चिकित्सक पद्मजीत चक्रवर्ती का शव बरामद किया गया था। बताया गया है कि करीब दो वर्ष पहले उनका विवाह हुआ था और नए मकान में रहने के लिए जाने के अगले ही दिन उनकी असामान्य मौत हो गई। पुलिस ने प्रारंभिक तौर पर आत्महत्या की आशंका जताई है। हालांकि, महज 11 दिनों के अंतराल में पिता और पुत्र की मौत की घटनाओं ने मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। घटनाक्रम को लेकर बांग्लादेश राष्ट्रीय हिंदू महासंघ के महासचिव पलाश कांति दे ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने दोनों मौतों की निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग की है। उनका कहना है कि आत्महत्या और हत्या की आशंका के बीच वास्तविक कारण सामने लाने के लिए पारदर्शी जांच जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े चिकित्सक, शिक्षक, पुलिसकर्मी और पत्रकार भी सुरक्षा को लेकर आशंकित हैं।

पलाश कांति दे ने ढाका विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के प्रोफेसर अबुल बरकत की 'राजनीतिक अर्थव्यवस्था' पुस्तक में दिए गए आंकड़ों का हवाला देते हुए अल्पसंख्यक समुदाय पर कथित अत्याचार, धमकी और उत्पीड़न को लेकर चिंता जताई। उन्होंने दावा किया कि ऐसी घटनाएं लगातार जारी रहीं तो देश में अल्पसंख्यक आबादी के अस्तित्व पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हिंदू समुदाय के खिलाफ होने वाली कई घटनाएं सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आ पाती हैं। उनके मुताबिक, भय और असुरक्षा के कारण अनेक पीड़ित या उनके परिवार घटनाओं को सार्वजनिक करने से बचते हैं।

उन्होंने हिंदू परिवारों को धमकाने, घरों में आग लगाने और देश छोड़ने के लिए दबाव बनाए जाने जैसे आरोप भी लगाए। पलाश कांति दे ने दावा किया कि ऐसी घटनाओं का बहुत छोटा हिस्सा ही मीडिया में सामने आता है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर भी भय के कारण कई लोग घटनाओं को सार्वजनिक नहीं कर पाते। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ कथित हिंसा की तुलना 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान हुए अत्याचारों से करते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रतिक्रिया पर भी सवाल उठाया। हालांकि, पिता और पुत्र की मौतों के वास्तविक कारण को लेकर अभी जांच पूरी नहीं हुई है।

ट्रैफिक पुलिस से जुर्माने पर विवाद के बाद काठमांडू में चालक ने बस में लगाई आग

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल की राजधानी काठमांडू के त्रिपुरेश्वर में जुर्माने को लेकर ट्रैफिक पुलिस और बस चालक के बीच विवाद के बाद बस में आग लगने की घटना सामने आई है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई है कि विवाद के बाद चालक ने ही बस में आग लगाई। हालांकि, घटना के वास्तविक कारण का पता लगाने के लिए एसएसपी के नेतृत्व में जांच समिति गठित कर दी गई है। घटना सोमवार को त्रिपुरेश्वर चोक स्थित बस स्टॉप के सामने हुई। आग रिद्धीसिद्धी यातायात की बा 5 ख 4274 नंबर की बस में लगी। आग लगने के समय बस चालक बस के अंदर ही मौजूद था। घटना में काभ्रे निवासी 25 वर्षीय चालक दावा लामा गंभीर रूप से झुलस गए। पुलिस ने उन्हें बस से बाहर निकालकर इलाज के लिए कीर्तिपुर स्थित बर्न अस्पताल भेजा, जहां उनका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी स्थिति गंभीर है।

घटना से पहले चालक और ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के बीच जुर्माने को लेकर विवाद हुआ था। सोशल मीडिया पर सामने आए विवाद के वीडियो में चालक ट्रैफिक पुलिस द्वारा जुर्माना किए जाने का विरोध करते हुए सुनाई दे रहा है। चालक का कहना था कि उसने कोई गलती नहीं की है और इसके बावजूद उस पर जुर्माना लगाने की कोशिश की जा रही है। वीडियो में वह पुलिसकर्मियों से बहस करते हुए यह भी कहता सुनाई देता है कि वह जुर्माना नहीं देगा। पुलिसकर्मी चालक से जुर्माना भरने की बात कह रहे थे। इस दौरान बस सड़क के बीच में खड़ी होने के कारण यातायात प्रभावित होने की बात कहते हुए चालक को बस किनारे लगाने के लिए भी कहा गया। विवाद बढ़ने के कुछ समय बाद बस के पिछले हिस्से से आग की लपटें उठती दिखाई दीं। जिला पुलिस परिसर काठमांडू के एसएसपी दिलीप घिमिरे ने घटना की प्रारंभिक जांच के आधार पर चालक द्वारा ही बस में आग लगाए जाने की आशंका जताई थी। उनका कहना था कि आग लगने के समय चालक बस के अंदर ही मौजूद था और वह बाहर नहीं निकला, इसलिए प्रारंभिक तौर पर चालक द्वारा आग लगाए जाने की आशंका है। हालांकि, पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि घटना का अंतिम कारण विस्तृत जांच के बाद ही सामने आएगा। घटना की गंभीरता को देखते हुए काठमांडू पुलिस ने मामले की जांच के लिए समिति गठित की है। रानीपोखरी के एआईजी सुशील सिंह राठौर के अनुसार, समिति का नेतृत्व एसएसपी रमेश बस्नेत करेंगे। समिति को पांच दिनों के भीतर जांच पूरी कर रिपोर्ट सौंपने का समय दिया गया है। समिति घटना से पहले ट्रैफिक पुलिस और चालक के बीच हुए विवाद, जुर्माना लगाए जाने की परिस्थितियों तथा बस में आग लगने के वास्तविक कारण सहित पूरे घटनाक्रम की जांच करेगी। बस में आग लगने के बाद सुरक्षाकर्मियों ने दमकल की सहायता से आग पर काबू पाया। घटना के कारण त्रिपुरेश्वर क्षेत्र में कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ। फिलहाल पुलिस घटना के प्रत्यक्षदर्शियों, उपलब्ध वीडियो फुटेज और अन्य तथ्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। पांच दिन के भीतर जांच समिति की रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि बस में आग कैसे लगी और इसके पीछे वास्तविक कारण क्या था।

अपर त्रिशूली-1 जलविद्युत परियोजना में अब भी 439 लोग लापता, 877 लोगों का सुरक्षित रेस्क्यू

काठमांडू। नेपाल में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित निर्माणाधीन 216 मेगावाट की अपर त्रिशूली-1 जलविद्युत परियोजना में अब भी 439 लोग संपर्कविहीन हैं। परियोजना की प्रवर्द्धक नेपाल वाटर एंड एनर्जी डेवलपमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के अनुसार, अब तक 877 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है, जबकि 78 लोग संपर्क में आ चुके हैं और 39 लोगों के शव बरामद किए गए हैं। कंपनी के मुताबिक, बाढ़ आने के समय परियोजना स्थल पर नेपाली, कोरियाई, चीनी, भारतीय और अन्य देशों के नागरिकों समेत करीब 1,433 लोग कार्यरत थे। इनमें प्रवर्द्धक कंपनी के अलावा परामर्शदाता ट्रैक्टावेल और जेड कंसल्ट इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण का काम कर रही कोरियाई कंपनी डूसान, उसके सिविल कार्य के सब-कॉन्ट्रैक्टर पावर चाइना तथा इलेक्ट्रोमैकेनिकल कार्य से जुड़ी एंड्रिज हाइड्रो समेत अन्य कंपनियों के कर्मचारी शामिल थे।

कंपनी ने बताया कि कार्यरत नेपाली और विदेशी नागरिकों की तलाश एवं बचाव अभियान लगातार जारी है। इसके लिए विभिन्न सरकारी निकायों, सुरक्षा एजेंसियों, तकनीकी विशेषज्ञों, बचाव दलों और संबंधित पक्षों के साथ समन्वय एवं सहयोग किया जा रहा है। कंपनी की ओर से खोज और बचाव अभियान के लिए आवश्यक सभी संसाधन जुटाए गए हैं। परियोजना के बांध स्थल से मुख्य सुरंग की ओर जाने वाले रास्ते में बाढ़ के कारण एक ट्रक के पलट जाने की भी जानकारी मिली है। बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित परियोजना में शुरू से ही नेपाली सेना, सशस्त्र पुलिस बल, नेपाल पुलिस, कोरियाई विशेषज्ञों और परियोजना की टीम की संयुक्त भागीदारी में खोज एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है। भूमिगत संरचनाओं में फंसे संभावित लोगों की तलाश के साथ-साथ बाहरी इलाकों, पहाड़ियों, गांवों और अन्य संभावित स्थानों पर भी सुरक्षा एजेंसियों तथा संबंधित टीमों के समन्वय में खोज जारी है। खोज एवं बचाव अभियान को प्रभावी बनाने के लिए प्रशिक्षित खोजी कुत्तों की टीम, पर्वतारोही बचाव दल और अन्य दक्ष जनशक्ति को भी लगाया गया है। परियोजना की सुरंगों, भूमिगत पावरहाउस और अन्य भौतिक संरचनाओं में लोगों के फंसे होने की संभावना को देखते हुए मलबा और कीचड़ हटाने, संभावित खोज क्षेत्रों की पहचान करने तथा बचाव कार्य को आसान बनाने का काम लगातार किया जा रहा है। कंपनी के अनुसार, अत्यंत दुर्गम भौगोलिक स्थिति, बाढ़ से हुई व्यापक तबाही, परियोजना स्थल तक पहुंचने वाली सड़क और परिवहन की कठिनाइयों, आवास एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी, भूमिगत संरचनाओं में मौजूद जोखिम तथा दोबारा भूस्खलन की आशंका जैसी चुनौतियों के बावजूद संयुक्त टीमों द्वारा खोज एवं बचाव अभियान जारी है। कंपनी ने बचाव दलों को आवश्यक सभी संसाधन उपलब्ध कराने की बात कही है।

एक नजर

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला एफएक्स मल्टिटेक का आईपीओ, 23 सितंबर तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्ली,एजेंसी। एचवीएसी और इंडस्ट्रियल रेफ्रिजरेशन का काम करने वाली कंपना एफएक्स मल्टिटेक का 45.24 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 23 सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 24 सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 25 सितंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 28 सितंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद दिन के अंत तक यह आईपीओ 29 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 110 रुपये से लेकर 116 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,78,400 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 39 लाख शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें लगभग 41 करोड़ रुपये के 35.52 लाख नए शेयर जारी किये जा रहे हैं, जबकि लगभग चार करोड़ रुपये के शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.35 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.29 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.31 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.05 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए वनव्यू कॉरपोरेट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि एमयूजीएफ इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं बसन इक्विटी ब्रोकिंग लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। एफएक्स मल्टिटेक लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

जी. किशन रेड्डी ने अहम खनिजों की सुरक्षा के लिए बेहतर रीसाइक्लिंग, इनोवेशन और जन-भागीदारी पर दिया जोर

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सोमवार को भारत के लिए महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों की सुरक्षा हेतु बेहतर रीसाइक्लिंग (पुनर्चक्रण), इनोवेशन (नवाचार) और जन-भागीदारी पर जोर दिया है। जी. किशन रेड्डी ने नई दिल्ली में मटेरियल रीसाइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमआरएआई) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। कोयला और खान मंत्री ने 'महत्वपूर्ण खनिजों के पुनर्चक्रण का इकोसिस्टम' पर कॉन्सेप्ट पेपर को आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया है। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि क्रिटिकल मिनरल सुरक्षा हासिल करने के लिए तकनीकी इनोवेशन व बड़े पैमाने पर रीसाइक्लिंग और 'जन भागीदारी' (सार्वजनिक भागीदारी) की मिली-जुली रणनीति की जरूरत है। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री ने इनोवेटिव टेक्नोलॉजी, एंटरप्रेन्योरशिप, ई-वेस्ट मैनेजमेंट और पर्यावरण की स्थिरता के महत्व पर प्रकाश डाला। 'जन भागीदारी' के महत्व पर ज़ोर देते हुए नागरिकों से ई-वेस्ट और इस्तेमाल के बाद बेकार हो चुके उत्पादों को क्रिटिकल मिनरल्स की रिकवरी के लिए मूल्यवान संसाधन के रूप में देखने का आग्रह किया। उन्होंने कंपनियों, इंडस्ट्री से जुड़े लोगों और रिसर्चर्स से अपने विचार, सुझाव और फीडबैक साझा करने और 'विकसित भारत' की दिशा में एक मज़बूत, टिकाऊ और टेक्नोलॉजी-आधारित रीसाइक्लिंग इकोसिस्टम बनाने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

एनडीएमसी ने अपनी परिषद बैठक कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा और नागरिक सेवाओं की योजनाओं को मंजूरी दी: मनोज कुमार द्विवेदी

सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (NDMC) की परिषद बैठक आज पालिका केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित की गई। बैठक में नागरिक सुविधाओं, नगर के बुनियादी ढांचे, पानी और सीवरेज व्यवस्था, सड़क और स्ट्रीट लाइट, इलेक्ट्रिक वाहनों, कचरा प्रबंधन, पार्किंग, शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल सेवाओं और कर्मचारियों से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की गई और विभिन्न योजनाओं को मंजूरी दी गई। बैठक की शुरुआत में दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने अध्यक्षता की। उन्होंने मनोज कुमार द्विवेदी को NDMC अध्यक्ष के पद और भारत के संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई। बैठक में सुश्री बांसुरी स्वराज, सांसद, नई दिल्ली; NDMC उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल; विधायक एवं सदस्य वीरेंद्र सिंह कादियान; परिषद सदस्य दिनेश प्रताप सिंह, अनिल वाल्मीकि और श्रीमती सरिता तोमर तथा NDMC सचिव राहुल सिंह उपस्थित रहे। आज सुबह NDMC परिषद कक्ष में परिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद NDMC Convention Centre में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इसमें NDMC के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, वित्तीय सलाहकार, परिषद के सदस्य, सचिव और विभिन्न विभागों के प्रमुख (HODs) उपस्थित रहे। मीडिया को संबोधित करते हुए कुलजीत सिंह चहल ने शुरुआत में बताया कि आज NDMC प्रधानमंत्री के विजन 'विकसित भारत' के संकल्प के अनुरूप विकसित दिल्ली के निर्माण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहा है। इसी सोच के तहत NDMC क्षेत्र में आधुनिक विकास, बेहतर नागरिक सुविधाओं और मजबूत बुनियादी ढांचे से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाओं को मंजूरी दी गई है।

चहल ने बताया कि NDMC क्षेत्र में कई जगहों पर पर्याप्त रोशनी नहीं है, जिसके कारण अंधेरे वाले कई स्थान बने हुए हैं। इन स्थानों पर नई ऑक्टागोनल स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। इन लाइट पोल की ऊंचाई 6 मीटर, 8 मीटर और 11 मीटर होगी। इस काम में पोल लगाने की नींव, केबल बिछाने और अर्थिंग का काम भी शामिल होगा। इसका उद्देश्य रात के समय सड़कों पर बेहतर रोशनी उपलब्ध कराना, लोगों की सुरक्षा बढ़ाना और वाहनों तथा पैदल चलने वाले लोगों की आवाजाही को आसान बनाना है। इस कार्य के लिए 18.26 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति और खर्च की मंजूरी दी गई। चहल ने बताया कि प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के विजन के अनुरूप स्वच्छ और हरित परिवहन को बढ़ावा देने के लिए NDMC के पार्किंग स्थलों पर इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) को पार्किंग शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। इस कदम का उद्देश्य वायु प्रदूषण को कम करना, स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देना और पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता कम करना है। उन्होंने कहा कि इस पहल से अधिक से अधिक लोगों को इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा और स्वच्छ, हरित एवं विकसित दिल्ली की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ाया जा सकेगा। यह छूट NDMC के पार्किंग प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित सभी पार्किंग स्थलों पर लागू होगी। चहल ने बताया कि धोबी घाट के पानी के उपभोक्ताओं के लिए एक बार की माफी योजना लाई गई है। इसका मुख्य उद्देश्य पुराने पानी के बिलों पर लगने वाले विलंब शुल्क (LPSC) से राहत देना है। अप्रैल 2026 तक NDMC का करीब 63.52 करोड़ पानी का बकाया था। बकाया राशि की वसूली में लंबे समय से भुगतान न होना और बिलों से जुड़े विवाद जैसी समस्याएं सामने आ रही थीं। इसे देखते हुए परिषद ने एक बार की विलंब शुल्क माफी योजना को मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि धोबी घाट के पानी के शुल्क को भी आसान और उचित बनाया गया है। इसके लिए पहले लागू 2.5 गुना शुल्क को हटाने का फैसला किया गया है। सीवरेज शुल्क पानी के उपयोग के शुल्क का 60 प्रतिशत रहेगा। चहल ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के विजन के अनुरूप दिल्ली में आधुनिक और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए सरोजिनी नगर, नई दिल्ली में 50 बेड का आयुष अस्पताल और शोध केंद्र बनाया जाएगा। यह परियोजना आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) और NDMC की 50:50 साझेदारी में प्रस्तावित है। अस्पताल के निर्माण पर करीब 55 करोड़ खर्च होने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि अस्पताल शुरू होने के बाद इसके संचालन और व्यवस्था में NDMC का आयुष विभाग संस्थागत भागीदार रहेगा। परिषद ने इस परियोजना को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। चहल ने बताया कि 26 जुलाई 2026 को माननीय प्रधानमंत्री ने परीक्षा व्यवस्था को अधिक विश्वसनीय, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने के लिए नंदन नीलेकणी के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय टास्क फोर्स बनाने की घोषणा की थी। इस विजनक के अनुसार NDMC द्वारा मोती बाग में एक आधुनिक Computer Based Test (CBT) Centre स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया है, जिसका नाम 'पालिका आदर्श परीक्षा केंद्र' होगा।

इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए NDMC मोती बाग में आधुनिक परीक्षा केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई है। इस केंद्र में विद्यार्थियों की कंप्यूटर आधारित परीक्षाएं आयोजित की जा सकेंगी। इससे विद्यार्थियों को बेहतर परीक्षा सुविधा मिलेगी और NDMC को भी आय प्राप्त होगी। चहल ने बताया कि प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के विजन के अनुरूप NDMC में पार्किंग व्यवस्था को और आधुनिक, सुविधाजनक और तकनीक आधारित बनाने के लिए Intelligent Integrated Parking System यानी Smart Parking शुरू करने की दिशा में कदम उठाया जा रहा है। इसके लिए दोबारा RFP आमंत्रित करने का प्रस्ताव है। साथ ही, NDMC क्षेत्र में पार्किंग शुल्क में बदलाव या संशोधन का भी प्रस्ताव है। उन्होंने बताया कि स्मार्ट पार्किंग व्यवस्था से लोगों को पार्किंग ढूंढने में कम समय लगेगा और पार्किंग अधिक आसान, सुविधाजनक और व्यवस्थित होगी। इस व्यवस्था में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। लोगों को पार्किंग की उपलब्ध जगह की जानकारी मोबाइल और डिजिटल माध्यम से मिल सकेगी तथा वहीं से पार्किंग की बुकिंग और भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध होगी। नेविगेशन सुविधा के माध्यम से लोगों को पार्किंग स्थल तक पहुंचने में मदद मिलेगी। पूरी पार्किंग व्यवस्था की निगरानी और संचालन इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से किया जा सकेगा। भविष्य में नई तकनीकों और सुविधाओं को भी इस सिस्टम से जोड़ा जा सकेगा। यह पहल आधुनिक और स्मार्ट दिल्ली की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम होगी। चहल ने बताया कि कनॉट प्लेस के सबवे का इस्तेमाल रोजाना बड़ी संख्या में लोग सड़क पार करने के लिए करते हैं और यहां पूरे दिन काफी भीड़ रहती है। कनॉट प्लेस के पुनर्विकास के दौरान वर्ष 2010 में कुल 22 एस्केलेटर लगाए गए थे। श्री चहल ने बताया कि प्रस्ताव में शामिल 7 एस्केलेटर अब पूरी तरह बंद हो चुके हैं और इन्हें ठीक करने के लिए कई बड़े हिस्सों को बदलना पड़ेगा। इसलिए इन्हें नए एस्केलेटर से बदलना जरूरी हो गया है। इससे खास तौर पर वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और आम लोगों को सबवे में आने-जाने में सुविधा मिलेगी। चहल ने बताया कि परिषद ने 7 Heavy Duty Outdoor/Public Service Escalators को बदलने के कार्य के लिए मंजूरी प्रदान की है। इनमें स्थापना के बाद 1 वर्ष की वारंटी और 5 वर्ष का CAMC (रखरखाव) शामिल होगा। इस कार्य के लिए 6.09 करोड़ की स्वीकृत प्रदान की। श्री चहल ने बताया कि हृछ्ष्ट में बिजली मीटरिंग व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए Smart Electricity Metering शुरू की जाएगी। इसके लिए Advanced Metering Infrastructure (AMI) Service Provider नियुक्त किया जाएगा। यह व्यवस्था DBFOOT मॉडल के तहत लागू की जाएगी। इसका उद्देश्य बिजली मीटरों की निगरानी को बेहतर बनाना, मीटरिंग व्यवस्था को आधुनिक करना और बिजली से जुड़ी सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाना है। मीडिया को संबोधित करते हुए श्री मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप NDMC का निरंतर प्रयास है कि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत, आधुनिक और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाया जाए। इसी दिशा में NDMC द्वारा पानी, सीवरेज, स्वच्छता, मानव संसाधन, सार्वजनिक सुविधाओं और नगर सेवाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि NDMC क्षेत्र में पानी की सप्लाई व्यवस्था को और बेहतर किया जाएगा। इसके लिए पुराना आर.के. आश्रम मार्ग पर नए स्थान पर जल आपूर्ति नियंत्रण कक्ष बनाया जाएगा। इसके साथ ही पंडारा रोड के सब-डिवीजन-III क्षेत्र में पुरानी CI पानी की पाइपलाइन को नई DI पाइपलाइन से बदला जाएगा। इससे क्षेत्र में पानी की सप्लाई को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि NDMC क्षेत्र की पुरानी सीवरेज व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए बड़े स्तर पर काम किया जाएगा। इसके तहत सी-हेक्सागन से लोधी रोड, जाकिर हुसैन मार्ग, गोल्फ कोर्स और सुब्रमण्यम भारती मार्ग तक जाने वाली 2100 मिमी व्यास की पुरानी RCC सीवर लाइन की सफाई और मरम्मत की जाएगी। यह काम दो चरणों में किया जाएगा। इससे NDMC क्षेत्र की सीवरेज व्यवस्था और मजबूत होगी। मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि NDMC में सीवर की सफाई के लिए दो आधुनिक जेटिंग-कम-सक्शन सीवर सफाई मशीनें खरीदी जाएंगी। इन मशीनों में इस्तेमाल किए गए पानी को दोबारा उपयोग करने की सुविधा भी होगी। इन मशीनों का संचालन और रखरखाव 7 वर्षों तक किया जाएगा। इससे सीवर की सफाई तेजी से और बेहतर तरीके से हो सकेगी तथा नागरिकों को बेहतर सुविधा मिलेगी। मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि NDMC क्षेत्र में कचरा प्रबंधन व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए 'नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ठोस कचरा प्रबंधन उपनियम, 2026' के मसौदे को मंजूरी दी गई है। नए नियमों से NDMC क्षेत्र में कचरे के प्रबंधन के लिए अधिक व्यवस्थित और आधुनिक व्यवस्था बनाने में मदद मिलेगी। मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि NDMC में कर्मचारियों की कमी को दूर करने और अलग-अलग विभागों की जरूरत पूरी करने के लिए कई नए पदों और भर्ती नियमों से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। इनमें हेड वायरमैन, वायरमैन, एयर कंडीशनिंग ऑपरेटर-कम-मैकेनिक, एयर कंडीशनिंग ऑपरेटर, जूनियर इंजीनियर (मैकेनिकल), सहायक निदेशक (राजभाषा), वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी, ऑटो फिटर, सेंट्रीफ्यूगल मिस्त्री, सहायक सुरक्षा पर्यवेक्षक और गृह विज्ञान शिक्षक जैसे पद शामिल हैं। इसके अलावा NDMC अटल आदर्श विद्यालयों में विभिन्न विषयों के स्नातकोत्तर शिक्षकों (PGT) के पदों से जुड़े प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई है। इन फैसलों का उद्देश्य कर्मचारियों की कमी को दूर करना, भर्ती व्यवस्था को बेहतर बनाना और नगर सेवाओं को अधिक प्रभावी तरीके से चलाना है। श्री मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि बिजली और पानी की बिलिंग के लिए SAP सॉफ्टवेयर के माध्यम से दी जा रही सेवाओं को 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक जारी रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इससे बिजली और पानी की बिलिंग व्यवस्था सुचारु रूप से चलती रहेगी।

मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि NDMC क्षेत्र में बस क्यू शेल्टर (BQS) के पैकेज-I और पैकेज-II के निर्माण, संचालन और रखरखाव से जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। यह काम बनाओ, चलाओ और हस्तांतरित करो (BOT) आधार पर किया जाएगा। द्विवेदी ने बताया कि NDCC Phase-II के ब्लॉक B और C में मशीनों की मदद से सुविधा प्रबंधन और रखरखाव की सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। इससे इन भवनों की साफ-सफाई, रखरखाव और अन्य सुविधाओं का प्रबंधन बेहतर तरीके से किया जा सकेगा। द्विवेदी ने बताया कि सिटी गैस वितरण (CGD) से जुड़े बुनियादी ढांचे के काम में तेजी लाई जाएगी। LPG की सप्लाई से जुड़ी समस्याओं को देखते हुए जरूरी अनुमतियों की प्रक्रिया को तेज करने और लागू शुल्क में छूट देने से जुड़े उपायों को भी मंजूरी दी गई है। मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली कानून (विशेष प्रावधान) द्वितीय अधिनियम, 2011 की अवधि बढ़ाने से जुड़े प्रस्ताव पर भी परिषद में विचार किया गया और आवश्यक कार्रवाई की गई। द्विवेदी ने बताया कि परिषद के सामने तय वित्तीय सीमा के अंदर आने वाले विभिन्न ठेकों और योजनाओं से जुड़े प्रस्ताव भी रखे गए। इसके साथ ही परिषद द्वारा पहले मंजूर किए गए चल रहे कार्यों और योजनाओं की कार्रवाई रिपोर्ट (Action Taken Report) तथा मार्च 2024 को समाप्त वर्ष की वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट भी परिषद के सामने प्रस्तुत की गई। मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि जनवरी 2026 से मार्च 2026 के बीच NDMC क्षेत्र से कचरा उठाने और उसे निर्धारित स्थान तक पहुंचाने के लिए चलाए जा रहे PPP Project पर हुए खर्च की जानकारी परिषद के सामने रखी गई। इसमें इस अवधि के दौरान हर तिमाही में हुए कचरा संग्रहण और परिवहन के खर्च का विवरण शामिल था। परिषद को यह जानकारी समीक्षा और जानकारी के लिए प्रस्तुत की गई।

नकारात्मक ताकतें जाति के नाम पर समाज और महापुरुषों को बांटेंगी, हमें विभाजन नहीं होने देना : योगी आदित्यनाथ

मेरठ,एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नकारात्मक ताकतें फिर से समाज को बांटने का काम करेंगी। वे जाति के नाम पर समाज को बांटेंगी और महापुरुषों को भी जातीय आधार पर बांटने का पाप करेंगी, लेकिन हमें इस विभाजन को नहीं होने देना है। महापुरुष पूरे समाज के होते हैं, उन्हें किसी जाति के दायरे में सीमित कर उनके महत्व को कम नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की उपस्थिति में जनपद मेरठ में आयोजित भाजपा पश्चिम क्षेत्र के शक्ति केंद्र संयोजकों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

सीएम योगी ने कहा कि भारत के इतिहास, क्रांति और अन्नदाताओं के सामर्थ्य की धरती मेरठ में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का सभी की ओर से हृदय से स्वागत और अभिनंदन है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के दो दिवसीय प्रवास के क्रम में पश्चिम क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को उनका सानिध्य और मार्गदर्शन मिल रहा है। शक्ति केंद्र सम्मेलन के माध्यम से कार्यकर्ताओं की शक्ति को जागृत करने और उस जागरण को पार्टी के लिए उपयोगी बनाने के साथ राष्ट्र प्रथम के भाव से प्रधानमंत्री के संकल्पों के अनुरूप आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत में कार्यकर्ताओं की भूमिका के लिए आह्वान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता संभालने के बाद एक नए भारत का दर्शन हुआ। ऐसा भारत जो अपनी विरासत पर गर्व करता है और विकास के लिए गति के साथ आगे बढ़ रहा है। आज ऐसा भारत है जिसके सामने पहचान का संकट नहीं है। सीना तानकर चलता है और दुनिया की आंख में आंख डालकर बात करता है। कोई चुनौती देने का दुस्साहस करता है तो भारत मांद में घुसकर मारना भी जानता है। भारत की अर्थव्यवस्था बॉटम फाइव से टॉप फाइव में आ गई है। इसी देश में कभी सनातन और हिंदू परंपरा को कोसने तथा उसे गजनवी, गोरी, इब्राहिम लोदी, बाबर और औरंगजेब के समकक्ष ठहराने का प्रयास किया जाता था। अब नया भारत गुलामी की मानसिकता को समाप्त कर विरासत पर गौरव की अनुभूति कर रहा है।

इसकी परिणिति काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर के रूप में सामने है। जो लोगों के लिए असंभव था, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संभव हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मथुरा-वृंदावन सज-संवर रहा है। भागवत भूमि शुकतीर्थ के पुनरुद्धार की कार्ययोजना चल रही है और विदुर कुटी के लिए भी धनराशि आवंटित की गई है। विरासत-सनातन को कोसने वालों ने कांवड़ यात्रा पर रोक लगाई थी, लेकिन भाजपा सरकार ने कहा कि कांवड़ यात्रा को कोई नहीं रोक सकता। यह धूमधाम से चलेगी। मैं स्वयं कांवड़ यात्रा में शामिल होता हूं और पुष्पवर्षा करता हूं। यह सनातन का प्रतीक है।

अब कोई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर रोक नहीं लगा सकता, मेरठ की क्रांति धरा को अपमानित नहीं कर सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब मेरठ में कट्टा-बंदूक की राजनीति नहीं हो सकती। युवाओं के सपनों को उड़ान देने के लिए भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट यहां से एक घंटे की दूरी पर बनकर तैयार हो गया है। मेरठ की बेटी पारुल चौधरी भारत के लिए ओलंपिक में गोल्ड मेडल लेकर आती है। उत्तर प्रदेश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी मेजर ध्यानचंद के नाम पर मेरठ में बन रही है। दिल्ली-मेरठ के बीच 12 लेन का एक्सप्रेसवे और नमो भारत ट्रेन सफलतापूर्वक चल रही है। अब फिल्म सिटी बन रही है, मेडिकल डिवाइस पार्क बन रहा है और सेमीकंडक्टर की यूनिट लग रही है। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में भी बड़ा काम हुआ है। भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम के 60 प्रतिशत कंपोनेंट और 55 प्रतिशत मोबाइल फोन उत्तर प्रदेश में बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने शक्ति केंद्र प्रमुखों से प्रत्येक बूथ की समीक्षा करने, हर बूथ स्तर पर प्रभावी टीम का गठन करने और प्रत्येक पन्ना प्रमुख का उत्तरदायित्व निर्धारित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एक-एक परिवार की मैपिंग और सर्वे कर सबको मतदान के लिए प्रेरित करना है।

सिराथू में आरयूबी और फूलपुर स्टेशन पर प्रमुख ट्रेनों के ठहराव का मुद्दा उठाया

सद्भावना टुडे,संवाददाता

लखनऊ/नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को रेल भवन में रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश, विशेषकर कौशाम्बी और प्रयागराज से जुड़े विभिन्न जनहित के मुद्दों को रेल मंत्री के समक्ष रखा।

श्री मौर्य ने कौशाम्बी जिले के सिराथू में प्रयागराज-कानपुर रेलखंड पर समपार संख्या-19 पर आरयूबी (रनिंग अंडर ब्रिज) के निर्माण की आवश्यकता का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि आरयूबी के निर्माण से स्थानीय नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और क्षेत्र में यातायात व्यवस्था भी सुगम होगी। इसके अलावा उन्होंने प्रयागराज जिले के फूलपुर रेलवे स्टेशन पर मुंबई और नई दिल्ली की ओर जाने वाली प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग भी रेल मंत्री के समक्ष रखी। उन्होंने बताया कि प्रमुख ट्रेनों के ठहराव से क्षेत्र के यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और स्थानीय लोगों को बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध हो सकेगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दोनों जनहित के विषयों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए आवश्यक कार्रवाई शीघ्र किए जाने का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा संगठनात्मक विषयों पर भी चर्चा हुई। आगामी चुनावों के मद्देनजर संगठनात्मक तैयारियों और कार्यकर्ताओं के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। श्री मौर्य ने कहा कि डबल इंजन की सरकार का संकल्प जनहित और जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विकास एवं लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ घर-घर तक पहुंचाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने और पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने में प्रभावी भूमिका निभाने का आह्वान किया, ताकि विकास और सुशासन का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंच सके।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)